www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

दा SUMMER न्यूज़

सूर्योदय सुबह 7:11 बजे
सूर्यास्त शाम 5:23 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-97 • पृष्ठ-8 • मूल्य-1 रूपये • शुक्रवार 12 दिसंबर 2025 • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

न्यूज़ ब्रीफ

अवैध संबंध के शक में युवक की हत्या

बरेली| हाफिजगंज थाना क्षेत्र के सेंथल में 22 वर्षीय युवक मुकेश की हत्या के आरोप में एक शादीशुदा दंपति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ कि हत्या का कारण महिला के साथ युवक के कथित अवैध संबंध थे। पुलिस के अनुसार, महिला नगमा के फोन रिकॉर्ड ने मामले की सच्चाई सामने लाई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों शानू अली और उसकी पत्नी नगमा को पकड़ा गया। 5 दिसंबर को मुकेश का शव गेहूं के खेत में मिला था। पोस्टमार्टम में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई। पूछताछ में दंपति ने अपना अपराध कबूल कर लिया।

मोरक्को में दो इमारतें ढहीं, 22 लोगों की मौत

मोरक्को| मोरक्को के फेज शहर में देर रात दो बहुमंजिला आवासीय इमारतों के ढह जाने से 22 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हुए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में शामिल चार मंजिला इमारतों में कुल आठ परिवार रहते थे। अधिकारियों के अनुसार, पूरे इलाके को खाली करा लिया गया है और खोज एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। इमारतें किस वजह से गिरीं, यह स्पष्ट नहीं हो सका है और लापता लोगों की संख्या भी अज्ञात है।

धार्मिक मामलों में सरकार जानबूझकर दखल दे रही

अमृतसर| शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की अंतरिंग समिति की बैठक के बाद समिति अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार धार्मिक मामलों में जानबूझकर दखलअंदाज़ी कर रही है। धामी ने कहा कि 328 पावन स्वरूप मामले में सरकार द्वारा FIR दर्ज करना अकाल तख्त साहिब के अधिकारों को सीधी चुनौती और SGPC के प्रबंधकीय अधिकारों में हस्तक्षेप है। उन्होंने बताया कि इस मामले में SGPC पहले ही डॉ. ईश्वर सिंह की जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई कर चुका है। धामी के अनुसार, यह मामला पावन स्वरूपों के गायब होने का नहीं, बल्कि कुछ कर्मचारियों द्वारा धन की हेराफेरी का था, जिसे राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। बैठक के दौरान SGPC के कई पदाधिकारी और समिति सदस्य भी उपस्थित थे।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

वंदे मातरम् की बहस से नेहरू तक... संसद में घमासान!

राज्यसभा में नड्डा-खड़गे की तीखी भिड़ंत, लोकसभा में ई-सिगरेट विवाद से हंगामा

संस्कृति, इतिहास और संसदीय आचरण पर दो मोर्चों में सियासी टकराव

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के नौवें दिन राज्यसभा और लोकसभा दोनों ही सदनों में असाधारण टकराव देखने को मिला। एक ओर राज्यसभा में वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर हुई चर्चा अचानक जवाहरलाल नेहरू को लेकर तीखी राजनीतिक जंग में बदल गई, वहीं लोकसभा में ई-सिगरेट पीने के आरोप ने कार्यवाही को गर्मा दिया।

सदन में एक और रोचक क्षण : राजनाथ-जयराम संवाद

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसे ही संसद पहुंचे, तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने उन्हें "मणिबेन पटेल की डायरी" पर आधारित 'सरदार पटेल की इनसाइड स्टोरी' पुस्तक भेंट की। राजनाथ ने मुस्कुराकर कहा-"अंग्रेजी में दीजिए, मैं गुजराती नहीं जानता।" संसद के तनावपूर्ण माहौल के बीच यह छोटा संवाद हल्की-फुल्की हंसी का पल लेकर आया।

राज्यसभाः नड्डा-खड़गे आमने-सामने

वंदे मातरम् पर हुई औपचारिक चर्चा तब उग्र हो गई जब भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने अपने भाषण के दौरान नेहरू के उस रुख का जिक्र किया, जिसे लेकर लंबे समय से राजनीतिक बहस होती रही है।

नड्डा ने कहा कि "कांग्रेस ने ऐतिहासिक रूप से भारत की संस्कृति से समझौते किए, वंदे मातरम् को उसका उचित सम्मान नहीं दिया और मुस्लिम लीग के दबाव में इसके श्लोक हटाए। उन्होंने 1947 में मिली "खंडित आज़ादी" से लेकर पीओके और

अनुच्छेद 370 तक कई मुद्दों को नेहरू युग से जोड़ते हुए कहा कि "देश समझौतों से नहीं चलता, यह राष्ट्रवाद और ऐतिहासिक सच्चाइयों पर चलता है। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तुरंत विपक्ष की ओर से कड़ा प्रतिवाद दर्ज किया। खड़गे ने पूछा-"क्या चर्चा वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर है या फिर जवाहरलाल नेहरू पर? उन्होंने नड्डा पर "विकृत और असत्य दावे" करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बहस का मकसद भटकाया जा रहा है। दोनों नेताओं के बीच की नोकझोंक इतनी बढ़ गई कि उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा।

नड्डा ने कहा "सरकार नेहरू की छवि खराब नहीं करना चाहती, बल्कि ऐतिहासिक तथ्यों को सही रूप में सामने रखना चाहती है। वंदे मातरम् हमारे राष्ट्रवाद की आत्मा है और इसे वह सम्मान मिलना चाहिए जो राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान को मिला है।

लोकसभाः ई-सिगरेट पीते देखे गए TMC सांसद? अनुराग की शिकायत पर स्पीकर का सख्त

राज्यसभा के हंगामे के समानांतर लोकसभा में भी माहौल अचानक गरम पड़ गया, जब भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि "टीएमसी का एक सांसद सदन के भीतर ई-सिगरेट पी रहा है, जो कानून और संसदीय शिष्टाचार दोनों का उल्लंघन है।

ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला से पूछा कि क्या सदन में इसकी अनुमति है। स्पीकर ने तुरंत कहा-"नहीं, किसी

भी प्रकार की अनुमति नहीं दी गई है। यदि औपचारिक शिकायत मिलती है और आरोप सही पाया जाता है, तो कार्रवाई अवश्य होगी।

ठाकुर के बयान के बाद भाजपा सांसदों ने जोरदार विरोध जताया और कार्रवाई की मांग की।

स्पीकर ने सभी सांसदों से कहा-"सदन की गरिमा बनाए रखना हर सदस्य का दायित्व है। नियमों का उल्लंघन होगा तो कार्रवाई तय है।"

यह पूरा मामला

भारत में 2019 से ई-सिगरेट पर पूर्ण प्रतिबंध की पृष्ठभूमि में और गंभीर हो जाता है। सरकार द्वारा पास किए गए इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम के तहत ई-सिगरेट का उत्पादन, बिक्री, वितरण और उपयोग पर पूरी तरह रोक है।

संसद में राजा बोले, पंजाब सड़ रहा और सरकारें मौन

पंजाब में डर का माहौलः गैंगस्टर दे रहे धमकियां

समर न्यूज़ । नई दिल्ली

पंजाब में बढ़ते गैंगस्टर नेटवर्क और रोज़ाना होने वाली फायरिंग–फिरौती की घटनाओं का मुद्दा वीरवार को संसद में गूंजा। लुधियाना में एक शादी समारोह के दौरान हुई गोलीबारी का मुद्दा लोकसभा में कांग्रेस सांसद और पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि पंजाब में डर और आतंक का माहौल बन चुका है, जहाँ आम लोगों से लेकर कारोबारी तक रोज़ाना गैंगस्टरों की धमकियों और फर्जीवाड़े का सामना कर रहे हैं।

लोकसभा में बयान देते हुए वड़िंग ने दावा किया कि पंजाब में फिरौती न देने पर रोज़ एक हत्या हो रही है, लेकिन राज्य और केंद्र सरकारें "मूक दर्शक" बनी बैठी हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को विदेशों से और जेलों में बंद गैंगस्टरों के फ़ोन आ रहे हैं। फिरौती मांगी जा रही है। फिरौती न देने पर हत्याएँ हो रही हैं। पूरा पंजाब दहशत में है। उन्होंने आगे कहा कि गैंगस्टरों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे सियासतदानों और अधिकारियों को भी धमकाने लगे हैं।

गैंगस्टर राजनीति में दखल दे रहे हैं

राजा वड़िंग ने आरोप लगाया कि तरनतारन उपचुनाव में अकाली दल ने एक गैंगस्टर के रिश्तेदार को टिकट दिया, जिससे स्पष्ट होता है कि अपराधी तत्व राजनीतिक

फैसलों को प्रभावित कर रहे हैं। वड़िंग ने कहा—"गैंगस्टर नेताओं को फोन कर रहे हैं, वोटों के लिए धमका रहे हैं। पंजाब की राजनीति पर भी उनका असर बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गुजरात की जेल में बंद एक कुख्यात गैंगस्टर को वहाँ की सरकार ने ऐसे कानून के तहत रखा है कि उसे जाँच के लिए गुजरात से बाहर नहीं लाया जा सकता, जिससे कई मामलों की जाँच प्रभावित होती है।

कांग्रेस नेता ने बेहद तीखे शब्दों में कहा कि पंजाब सड़ रहा है। लेकिन केंद्र सरकार और पंजाब पुलिस दोनों मूक दर्शक बनकर तमाशा देख रहे हैं।

सीमा सुरक्षा 50 किमी तक बढ़ाने की मांग

राजा वड़िंग ने गृह मंत्री से अपील की कि पंजाब जैसे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में सुरक्षा बढ़ाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मैं गृह मंत्री से अनुरोध करता हूँ कि सीमा सुरक्षा का दायरा 50 किलोमीटर तक बढ़ाया जाए। पंजाब की सुरक्षा सर्वोपरि है।

• पाक कोर्ट मार्शल में कई आरोपों पर दोषी करार

पूर्व ISI प्रमुख फैज को 14 साल की जेल

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान की सेना की कोर्ट मार्शल अदालत ने इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) के पूर्व महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) फैज़ हमीद को 14 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। यह फैसला 15 महीने तक चले कोर्ट मार्शल ट्रायल के बाद आया है, जिसमें उन्हें राजनीतिक हस्तक्षेप, अधिकारों का दुरुपयोग, राजकीय संसाधनों का गलत इस्तेमाल और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के उल्लंघन सहित चार आरोपों में दोषी पाया गया।

पाकिस्तानी सेना ने बताया कि हमीद को अपने बचाव का पूरा कानूनी अधिकार और प्रतिनिधित्व उपलब्ध कराया गया था। फैसले के अनुसार, वे सजा के खिलाफ अपील कर सकते हैं। हालांकि, सेना ने उन व्यक्तियों या पक्षों का नाम सार्वजनिक नहीं किया जिन्हें उनके कथित दुरुपयोग से "नुकसान" हुआ है।

फैज़ हमीद को 2024 में एक आंतरिक जांच के बाद हिरासत में लिया गया था। यह जांच इस्लामाबाद के पास स्थित टॉप सिटी हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़ी कथित अनियमितताओं के संदर्भ में शुरू हुई थी। गुरुवार तक सैन्य या सरकारी संस्थानों ने आरोपों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया था। सुरक्षा विश्लेषक सैयद मोहम्मद अली ने कहा कि यह फैसला "एक लंबी और विस्तृत जांच के बाद आया है, जिसमें पूर्व ISI प्रमुख को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया गया।" उन्होंने कहा—"यह फैसला सैन्य नेतृत्व का यह संदेश है कि कोई भी अधिकारी चाहे उसका पद कितना भी बड़ा क्यों न हो, राजनीति में दखल नहीं देगा। हमीद का मामला सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिए मिसाल के तौर पर इस्तेमाल किया गया है।"

फैज़ हमीद की गिरावट पाकिस्तान में एक दुर्लभ उदाहरण है, जहां सेना की संस्थागत शक्ति काफी व्यापक मानी जाती है और शीर्ष स्तर के सैन्य अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई के मामले बहुत कम देखने को मिलते हैं। हमीद कभी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीबी माने जाते थे। इमरान खान, जिन्हें 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सत्ता से हटाया गया था, सैन्य नेतृत्व और राजनीतिक विरोधियों पर लंबे समय से अपने खिलाफ "षड्यंत्र" रचने का आरोप लगाते रहे हैं। वर्तमान में खान भ्रष्टाचार और अन्य आरोपों में जेल की सजा काट रहे हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर सोना और हीरे बरामद

एजेंसी । मुंबई

मुंबई सीमा शुल्क ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हाइड्रोपोनिक गांजा, सोना और हीरे सहित कुल 45 करोड़ रुपये मूल्य का माल जब्त किया है और 12 यात्रियों को गिरफ्तार किया है। तीन से दस दिसंबर के बीच की गई कार्रवाई में 37.26 करोड़ रुपये मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा, चार यात्रियों के पास से 1.51 करोड़ रुपये मूल्य का सोना और एक अन्य व्यक्ति से 87.75 लाख रुपये मूल्य के हीरे जब्त किए गए।

सिद्धू 19 को मिलेंगे प्रियंका से

समर न्यूज़ । चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में चल रहे तनाव के बीच नवजोत सिंह सिद्धू को 19

दिसंबर के लिए प्रियंका गांधी से मिलने का समय मिल गया है। सिद्धू बीते दिन दिल्ली पहुँचे थे, लेकिन संसद सत्र की व्यस्तता के कारण उनकी मुलाकातें संभव नहीं हो सकीं। माना जा रहा है कि वे पार्टी नेतृत्व द्वारा किसी भी कदम से पहले अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहते हैं। इधर प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग भी संसद सत्र की वजह से दिल्ली में सक्रिय हैं। पार्टी के पंजाब मामलों की समीक्षा के लिए पंजाब इंचार्ज भूपेश बघेल, वड़िंग और दोनों सह-प्रभारियों के साथ बैठकें जारी हैं। सूत्रों का कहना है कि वड़िंग शिविर सिद्धू की प्रस्तावित मुलाकात के बाद की राजनीतिक स्थिति पर नजर बनाए हुए है और उसी हिसाब से अपनी रणनीति तय कर रहा है। इस बीच पार्टी हाईकमान ने डॉ. नवजोत कौर सिद्धू के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने कथित रूप से 500 करोड़ रुपए में मुख्यमंत्री पद मिलने का जिक्र किया था। उसकी जांच के लिए उच्चस्तरीय कमेटी गठित कर दी है। इसकी अगुवाई भूपेश बघेल करेंगे। कमेटी के अन्य सदस्यों का औपचारिक ऐलान अभी बाकी है। कांग्रेस नेतृत्व ने इस बयान को लेकर कड़ा रुख अपनाया है।

इंडिगो के यात्रियों को मिलेगा 10 हजार का वाउचर

समर न्यूज़ । नई दिल्ली

इंडिगो एयरलाइन ने वीरवार को घोषणा की कि 3, 4 और 5 दिसंबर को भारी उड़ान अव्यवस्था के दौरान घंटों तक एयरपोर्ट पर फंसे यात्रियों को मुआवजे के तौर पर 10 हजार के ट्रैवल वाउचर दिए जाएंगे। यह वाउचर अगले 12 महीनों तक किसी भी इंडिगो उड़ान में इस्तेमाल किए जा सकेंगे। इन तीन दिनों में बड़े पैमाने पर क्रू की कमी और कई एयरपोर्ट पर अत्यधिक भीड़ के कारण देशभर में उड़ानें देरी से चलीं या रद्द हुईं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। एयरलाइन ने बताया कि रद्द उड़ानों के अधिकांश रिफंड जारी कर दिए गए हैं, जबकि बाकी लेनदेन जल्द ही यात्रियों के खाते में दिखाई देंगे। ट्रैवल पोर्टल के माध्यम से बुकिंग कराने वाले यात्रियों के लिए इंडिगो ने कहा कि यदि हमारी प्रणाली में आपके संपर्क विवरण अधूरे हैं, तो कृपया customer.experience@goindigo.in पर हमें लिखें, ताकि हम आपकी मदद कर सकें। इंडिगो ने कहा कि यह वाउचर सरकारी नियमों के तहत अनिवार्य मुआवजे से अलग है। सरकारी दिशा-निर्देशों के मुताबिक, उड़ान रद्द होने पर एयरलाइन को 5,000 से 10,000 तक का मुआवजा देना होता है—यह उस स्थिति में लागू होता है जब उड़ान प्रस्थान से 24 घंटे के भीतर रद्द की जाए।

17 जिलों में सरकारी स्कूलों में एडमिशन घटे

समर न्यूज़। मोहाली

सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के दावों के बीच पंजाब में एडमिशन का ग्राफ लगातार नीचे जा रहा है। प्री-प्राइमरी से लेकर पांचवीं कक्षा तक दाखिलों में इस वर्ष भारी कमी दर्ज हुई है। कई अभिभावक सरकारी स्कूलों की बजाय निजी संस्थानों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसका असर सीधे तौर पर एडमिशन संख्या में दिख रहा है।

राज्य के 23 जिलों में से 17 जिलों में एडमिशन घटे, जबकि केवल 6 जिलों में बढ़ोतरी देखने को मिली। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक यह कमी उस समय सामने

आई है जब सरकार शिक्षा सुधारों को लेकर बार-बार बड़े कदम उठाने की बात कर रही है।

मीटिंग में पेश आंकड़ों ने खोली गिरावट की तस्वीर

शिक्षा विभाग की राज्य समीक्षा बैठक में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में 11,73,556 बच्चों ने प्री-प्राइमरी से पाँचवीं तक दाखिला लिया। 2025-26 में यह संख्या घटकर 11,62,891 रह गई, यानी इस साल 10,665 कम एडमिशन हुए।

कई जिलों में एडमिशन में बड़ी गिरावट

कई जिलों में पिछले वर्ष की तुलना में हजारों बच्चों ने सरकारी स्कूलों में दाखिला नहीं लिया। कुछ जिलों में यह गिरावट 700 से लेकर 1,600 से अधिक तक रही। शिक्षा विभाग अब इन जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांग रहा है। सरकारी स्कूलों में एडमिशन को आधार से लिंक किए जाने के बाद फेक एडमिशन लगभग खत्म हो गए हैं।

पहले कई स्कूलों में फंड और पोस्ट बनाए रखने के लिए संख्या कृत्रिम रूप से बढ़ा दी जाती थी। लुधियाना में पिछले वर्ष 3,000 से अधिक फर्जी एडमिशन पकड़े गए थे। डायरेक्टर स्कूल एजुकेशन एलिमेंटरी हरकीरत कौर ने उन जिलों से रिपोर्ट तलब की है जहाँ दाखिलों में कमी आई है।

पेज 1 एंकर स्टोरी

300 रुपये की चोरी ने सोशल मीडिया से अदालतों तक मचाया हंगामा

पाकिस्तानी जज के चैंबर से दो सेब और हैंडवॉश चोरी, केस दर्ज

एजेंसी | लाहौर

पाकिस्तान के लाहौर में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया से लेकर कानूनी हलकों तक सभी को हैरान कर दिया है। चोरी भी ऐसी कि आधे लोग हंस पड़े और आधे देश की व्यवस्था पर सवाल उठाने लगे। यह मामला है—एक जज के चैंबर से दो सेब और एक हैंडवॉश चोरी होने का। जी हां, आपने सही पढ़ा। चीजें मामूली थीं, लेकिन उनकी चोरी ने पूरे देश में बड़ी बहस छेड़ दी। लाहौर पुलिस ने एडिशनल सेशंस जज नूर मुहम्मद बसमल के चैंबर में हुई इस अनोखी चोरी पर एफआईआर दर्ज कर ली है, और यही वजह है कि मामला पाकिस्तान का सबसे चर्चित "छोटा लेकिन बड़ा केस" बन गया है। एफआईआर जज के रीडर की शिकायत पर दर्ज की गई, जो जज के निर्देश पर थाने पहुँचा था। शिकायत के मुताबिक, 5 दिसंबर को चैंबर से 2 सेब और एक हैंडवॉश की बोतल गायब पाई गई। इनकी कुल कीमत लगभग PKR 1,000 (भारतीय मुद्रा में करीब 300 रुपये) बताई गई है।

पुलिस ने मामला सेक्शन 380 PPC के तहत दर्ज किया है, जिसमें सात साल की सजा

या जुर्माने का प्रावधान है।

अब सवाल उठा—क्या सच में इतनी मामूली चोरी के लिए एफआईआर जरूरी थी?

कुछ लोग इसे फिजूल बताते हैं, जबकि कुछ का कहना है कि चोरी, चाहे कितनी भी छोटी हो, कानूनन अपराध है। हालाँकि, जज के चैंबर जैसी सुरक्षित जगह से सामान गायब होना सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या यह सुरक्षा की चूक है? क्या यह किसी अंदरूनी व्यक्ति की हरकत है? या यह सिर्फ शरारत का मामला है? पुलिस इन सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

इस घटना पर मानवाधिकार कार्यकर्ता ने व्यंग्य करते हुए इसे "पाकिस्तान के इतिहास की सबसे बड़ी चोरी" करार दिया। सोशल मीडिया पर लोगों ने मज़ाक उड़ाते हुए लिखा—"अब शायद किसी दिन चाय का कप या पेन गायब होने पर भी जाँच आयोग बैठेगा!" दरअसल, जिस देश में कई बड़े अपराध अनसुलझे पड़े हैं, वहां दो सेब और एक हैंडवॉश पर केस दर्ज होना लोगों को अटपटा लगता है। अब देखने वाली बात यह है कि पुलिस इस "चोरी" को सुलझा पाती है या नहीं। क्या चोर पकड़ा जाएगा? और अगर पकड़ा गया, तो क्या सच में उसे सात साल की सजा हो सकती है? कानून कहता है—हाँ। लेकिन असलियत में ऐसा होना लगभग नामुमकिन है। यह छोटा-सा मामला एक बार फिर दिखाता है कि पाकिस्तान में कभी-कभी सबसे छोटी घटनाएं भी सबसे बड़ी सुर्खियां बन जाती हैं।

शाह खतरनाक, दुर्योधन दुशासन जैसेः ममता

एजेंसी । कृष्णानगर

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खतरनाक करार दिया है। ममता ने वीरवार को कृष्णानगर की रैली में कहा कि शाह की आंखों में दहशत है। उनकी एक आंख में आपको दुर्योधन तो दूसरी आंख में दुशासन दिखाई देगा।

ममता ने स्पेशल इंटेसिव रिवीजन को लेकर महिलाओं से कहा कि वे (केंद्र सरकार) SIR के नाम पर मां-बहनों के अधिकार छीन लेंगे। वे चुनाव के दौरान दिल्ली से पुलिस बुलाएंगे। ममता के मुताबिक माताओ-बहनों, अगर आपके नाम काटे गए तो आपके पास किचन के बर्तन हैं, इनसे लड़िए। अपने नाम को लिस्ट कटने मत देना। महिलाएं आगे आकर लड़ेंगी, पुरुष इनके पीछे रहेंगे। ममता ने आरोप लगाया कि 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले SIR को राजनीतिक हथियार बनाया जा रहा है। अमित शाह वोटों के इतने भूखे हैं कि चुनाव से दो महीने पहले ही यह प्रक्रिया चला रहे हैं। ममता ने रैली में ये भी कहा कि अक्टूबर से 12 राज्यों में SIR चल रहा है। इस प्रक्रिया का मकसद गलत मतदाता का नाम हटाना और नए मतदाता जोड़ना है। यह बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए हो रहा है। ममता ने केंद्र पर बंगालियों को बांग्लादेशी बताकर डिटेंशन कैंप भेजने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से बीजेपी समर्थक अफसर भेजे जा रहे हैं, जो जिलाधिकारियों की निगरानी कर रहे हैं।

समर एक्सप्रेस

तरनतारन में गैंगवार: अनाज मंडी में दो गैंगों के बीच ताबड़तोड़ फायरिंग, एक युवक की मौत

सफारी वाहन जब्त, कई संदिग्ध हिरासत में, डीएसपी ने कहा हर पहलू से हो रही जांच

समर न्यूज़ | तरनतारन

तरनतारन जिले के सरहाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली अनाज मंडी में दो गैंग के बीच ताबड़तोड़ गोलीबारी हुई, जिसने इलाके में हड़कंप मचा दिया। इस खूनी झड़प में एक युवक की मौत हो गई जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतक की पहचान अजय पाल सिंह के रूप में हुई है। घायल हुए दो अन्य युवकों में से एक का नाम अविनाश बताया गया है। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सिविल अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिवम ने बताया कि अजयपाल सिंह के गले और पैरों में गोली लगी थी, जबकि अविनाश के पीठ में गोली लगी। इलाज के दौरान अजयपाल ने दम तोड़ दिया, जबकि अविनाश को बेहतर इलाज के लिए अमृतसर के गुरु नानक देव अस्पताल रैफर कर दिया गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई थी, लेकिन पुलिस को घटनास्थल पहुंचने में 45 मिनट का समय लग गया। पुलिस तब इलाके में फ्लैग मार्च कर रही थी, जबकि अनाज मंडी में दो गैंग के बीच खूनी संघर्ष चल रहा था। बताया जा रहा है कि यह गैंगवार सरहाली कलां के आतिश समूह और रूड़ीवाला के मछी समूह के बीच पुरानी रंजिश के कारण शुरू हुई। दोनों गैंग विभिन्न अपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। आतिश और अविनाश पर अमृतसर में हथियारों की तस्करी के मामले दर्ज हैं। कहा जा रहा है कि ये दोनों कथित तौर पर विदेश में बैठे आतंकवादी लखबीर सिंह लंडा के लिए काम करते हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और गैंगवार में शामिल दोनों समूहों के सदस्यों की तलाश तेज कर दी है। घटनास्थल से बरामद शेल खोल और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोषियों की पहचान के लिए काम चल रहा है। गोली लगी सफारी कार को जब्त कर कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। मृत अजय पाल सिंह के पिता मुख्तियार सिंह ने बताया कि उनके बेटे को आज कुछ दोस्त घर से लेकर गए थे। इसके बाद सूचना मिली कि अजय पाल सिंह को गोली लगी है और उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि उनके बेटे पर एनडीपीएस एक्ट के तहत लगभग 4 मामले तरण तारण के थाना सदर में दर्ज थे, और वह इस समय जमानत पर था। डीएसपी लवकेश सैणी ने बताया कि यह घटना पुरानी रंजिश का परिणाम हो सकती है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

कांग्रेस एमएलए के बयान पर आप नेता भड़के

दिनेश ढल का पलटवार: बोला- अहंकार छोड़ो, इंदिरा गांधी भी चुनाव हारी थी

समर न्यूज़ | जालंधर

जालंधर में कांग्रेस एमएलए बावा हैनरी के नगर निगम में दिए गए बयानों के बाद शहर की राजनीति में गरमाहट बढ़ गई है। आम आदमी पार्टी के नेता दिनेश ढल ने देर रात लाइव आकर कांग्रेस विधायक पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दिन में व्यस्त होने के कारण जवाब नहीं दे सके, लेकिन वीडियो देखने के बाद स्पष्ट हुआ कि कांग्रेस विधायक धमकी भरे अंदाज़ में बातें कर रहे थे। ढल ने कहा कि कांग्रेस एमएलए बार-बार 'शरीफ' कहकर धमकियां देते हैं। उन्होंने तंज कसा "अगर आप एक पत्थर तोड़ोगे, तो हम दस पत्थर तोड़ देंगे।" आप नेता ने आरोप लगाया कि 2017 से 2022 तक विधायक रहते हुए बावा हैनरी ने कई जगहों पर हार चुके उम्मीदवारों के नाम शिलान्यास पत्थरों पर लगवाए। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वॉर्ड 83 शिव नगर में भी जीतने वाले पार्षद का नाम हटाकर हारे हुए व्यक्ति का नाम लगाया गया। ढल ने कांग्रेस विधायक को अहंकार छोड़ने की सलाह दी। उनका कहना था कि राजनीति में हार-जीत लगी रहती है। इंदिरा गांधी भी हारी थीं, आपके पिता भी पहली बार चुनाव हारे थे। जिस तरह आप बोलते हो, 2027 के बाद आपके नाम के आगे भी 'हारने वाला' जुड़ जाएगा। उन्होंने कांग्रेस सरकार के दौरान बनी सड़कों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि होशियारपुर रोड और स्मार्ट रोड कुछ महीनों में ही टूट गई थीं, जबकि मौजूदा सरकार ने 30 साल बाद शुरू कराए काम अब 90% पूरे हो चुके हैं। आप नेता ने कांग्रेस की आंतरिक कलह का जिक्र करते हुए कहा कि आपकी ही पार्टी में मैडम सिद्धू ने आपका जुलूस निकाल दिया। आज आप भी अपने खिलाफ 'कांग्रेस मुर्दाबाद' के नारे सुन चुके हो। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एमएलए सरकारी कर्मचारियों और आप कार्यकर्ताओं को धमकाते हैं। "अब चुनाव में एक साल ही रह गया है। जनता तय कर देगी कि 35 साल राज करने के बाद कांग्रेस ने क्या विकास कराया। आप ने केवल 4 साल में ज्यादा काम किया है।"

उन्होंने दावा किया कि निगम के एक वरिष्ठ अफसर के साथ विधायक के परिवार के पुराने रिश्ते हैं और कई फैसले उसी दबाव में लिए जाते रहे। ढल ने कहा कि उनके पास इसके सबूत मौजूद हैं। बयानबाजी के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि अगर एमएलए को गुस्सा ज्यादा आता है या कोई दिक्कत है, तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए, वरना आप कार्यकर्ता स्थिति संभालना जानते हैं। अंत में दिनेश ढल ने कहा कि 27 चुनाव दूर नहीं है, जनता तय करेगी कि कौन काम करता है और कौन सिर्फ धमकियां देता है।

पड़ोसियों ने तोड़ा दरवाजा, परिवार को सुरक्षित बाहर निकाला

अमृतसर में शॉर्ट सर्किट से घर में भीषण आग

समर न्यूज़ | अमृतसर

अमृतसर के गिलवाली गेट क्षेत्र की गली ब्रह्मचारी में बुधवार देर रात शॉर्ट सर्किट के कारण एक घर में भीषण आग लग गई। घटना के समय घर में मौजूद पति-पत्नी और उनके तीन बच्चे—3 साल का बेटा और 7 व 15 साल की बेटियां—गहरी नींद में थे। गली संकरी होने के बावजूद पड़ोसियों ने हिम्मत दिखाते हुए घर का दरवाजा तोड़कर पूरे परिवार को बाहर निकाला, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आग इतनी तेज थी कि घर में रखा लगभग सारा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित अजय शर्मा, जो पेशे से टेलर हैं, ने बताया कि शादी के सीजन के कारण घर में सिलाई के लिए आए कई महंगे सूट और कपड़े रखे हुए थे, जो आग में पूरी तरह जल गए। सिलाई मशीन, कपड़े और घरेलू सामान सहित लगभग डेढ़ से दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और वे मदद की गुहार लगा रहे हैं। फायर ब्रिगेड को संकरी गली के कारण पाइप अंदर ले जाने में कठिनाई हुई, लेकिन प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया। परिवार का कहना है कि अब बच्चों सहित उनके पास कुछ भी नहीं बचा और उन्हें किसी सहारे की जरूरत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि तुरंत राहत प्रदान न की गई तो परिवार के लिए गुजर-बसर करना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

निर्माणाधीन सड़कों का सीएम का औचक निरीक्षण

खामियाँ मिलने पर ठेकेदार पर कार्रवाई, भुगतान रोकने के आदेश

समर न्यूज़ | फतेहगढ़ साहिब

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पटियाला जिले के रीतखेड़ी लिंक रोड के निर्माण में अनियमितताएं मिलने पर ठेकेदार के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने और सभी भुगतानों को तुरंत रोकने के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को तीन निर्माणाधीन सड़कों का औचक निरीक्षण किया, जिनमें से दो सड़कें मानकों पर खरी उतरीं, जबकि रीतखेड़ी लिंक रोड में गंभीर खामियां पाई गईं। उन्होंने सड़क के नमूने लेकर निर्धारित गुणवत्ता का पालन न होने पर अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही पटियाला–सरहिंद रोड और फतेहगढ़ साहिब जिले की रुड़की–रिउंणा पलैन रोड का भी निरीक्षण किया गया और इनके नमूने लैब जांच के लिए भेजने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राज्यव्यापी मुहिम सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और जनता के धन के तर्कसंगत उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में भी ऐसे निरीक्षण जारी रहेंगे। साथ ही सभी विभागों को निर्देश दिया गया है कि सड़क निर्माण से पहले सीवरेज, पेयजल पाइपलाइन, फाइबर और अन्य कार्य पूरे किए जाएं ताकि नई सड़कों को किसी प्रकार का नुकसान न हो। भगवंत मान ने लोगों से अपील की कि वे अपने क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्यों की निगरानी करें और किसी भी अनियमितता की सूचना सरकार को दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 16,209 करोड़ रुपये की लागत से 44,920 किलोमीटर सड़कों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिनमें 5 वर्ष की मेंटेनेंस शर्त भी जोड़ी गई है। उन्होंने बताया कि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के पुनर्निर्माण पर भी तेजी से काम हो रहा है और फ्लाइंग स्क्वायड लगातार गुणवत्ता की जांच कर रही है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि घटिया निर्माण करने वाले किसी भी ठेकेदार या कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हथियार सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़

समर न्यूज़ | अमृतसर

अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सीमा-पार संचालित अवैध हथियार सप्लाई नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी आकाशदीप सिंह को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से अवैध हथियारों के कारोबार में सक्रिय था। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने विदेशी निर्माण की कई पिस्तौलें, लाइव राउंड और एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी से 1 स्टार-मार्केड पिस्तौल (.30 बोर), 1 पिस्तौल (.30 बोर), 1 पिस्तौल (.30 बोर), 1 ग्लॉक Gen-19 पिस्तौल (9mm), 6 लाइव राउंड (.30 बोर) और एक मोबाइल फोन जब्त किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी के पाकिस्तान स्थित हथियार तस्करों से सक्रिय संबंध थे। इन्हीं के माध्यम से वह राज्य में हथियार पहुंचाकर अव्यवस्था फैलाने की साजिश का हिस्सा था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने और अन्य सहयोगियों की पहचान करने में जुटी है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि यह राज्य में सुरक्षा बनाए रखने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस संगठित अपराध, हथियार तस्करी और सीमा-पार अपराधों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। उनकी टीम की सतर्कता और खुफिया रणनीति अपराधियों को कोई मौका नहीं देगी।

डीजीपी ने कहा कि यह ऑपरेशन अवैध हथियारों की सप्लाई रोकने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में बड़ी सफलता है। पुलिस आगे भी इस तरह की तस्करी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी जारी रखेगी।

2 किलो हेरोइन सहित 85 नशा तस्कर काबू

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने आज 338 स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के बाद पूरे राज्य में 74 एफआईआर दर्ज कर 85 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 285 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 40,109 हो गई है। छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए तस्करों से 2 किलो हेरोइन, 335 नशीली गोलियाँ और 800 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की है। पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति — प्रवर्तन (इन्फोर्समेंट), नशामुक्ति (डी-एडिक्शन) और रोकथाम (प्रिवेंशन) - यानी (ईडीपी) लागू की है।

तटीयकरण हेतु अब तक 8625 करोड़ का आवंटन: अनुराग

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

अनुराग ठाकुर की फाईल फोटो
- समर न्यूज़

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने आज संसद में प्रश्न काल के दौरान केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल से प्रश्न पूछा कि हिमाचल को तटीयकरण तथा क्षतिग्रस्त तटीय संरचनाओं के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने अब तक कितनी राशि जारी की है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बताया कि हिमाचल प्रदेश को अब तक तटीयकरण कार्यों के लिए कुल 8625 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह राशि न केवल मौजूदा संरचनाओं के पुनर्निर्माण बल्कि नई चैनलाइजेशन परियोजनाओं के लिए भी उपलब्ध करवाई गई है। अनुराग सिंह ठाकुर ने संसद में बोलते हुए कहा "हिमाचल प्रदेश में पिछले 2-3 वर्षों के दौरान आई भीषण बाढ़, अचानक आने वाले फ्लैश फ़्लड्स और क्लाउड बर्स्ट की घटनाओं के कारण प्रदेश की प्राकृतिक संपदा, ग्रामीण ढांचे तथा जल स्त्रोतों के तटीयकरण को भारी नुकसान पहुंचाया है। प्रदेश में अवैध खनन माफिया और टिंबर माफिया के सक्रिय होने से नदियों और जलधाराओं का स्वरूप प्रभावित हुआ, जिससे भारी वर्षा के समय पानी का दबाव कई गुना बढ़ा और विनाशकारी बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई। पूरे देश ने देखा कि हिमाचल में बाढ़ आने पर कैसे पुष्पा फिल्म की तरह हजारों कटे पेड़ पानी में बह रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं तो अपनी जगह हैं, लेकिन अवैध खनन माफिया और टिंबर माफिया ने नुकसान को और बढ़ा दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अवैध खनन और टिंबर माफिया पर कड़ी कार्रवाई अब अनिवार्य है, क्योंकि प्राकृतिक जलधाराओं से छेड़छाड़ सीधे तौर पर आपदाओं की तीव्रता बढ़ाती है।

अनुराग ठाकुर ने संसद में जनशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से यह जानना चाहा कि हिमाचल प्रदेश में तटीयकरण तथा क्षतिग्रस्त तटीय संरचनाओं के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने अब तक कितनी राशि जारी की है। प्राप्त उत्तर में जलशक्ति मंत्री ने बताया कि हिमाचल प्रदेश को अब तक तटीयकरण कार्यों के लिए कुल 8625 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह राशि न केवल मौजूदा संरचनाओं के पुनर्निर्माण बल्कि नई चैनलाइजेशन परियोजनाओं के लिए भी उपलब्ध करवाई गई है।

आप नेता तलबीर सिंह गिल का अकाली दल पर सीधा हमला

समर न्यूज़ | अमृतसर

अमृतसर के मजीठा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के इंचार्ज तलबीर सिंह गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर शिअद (अकाली दल) और पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि सुखबीर बादल अपने मजीठा दौरे के दौरान हमेशा की तरह आपत्तिजनक और घटिया भाषा का इस्तेमाल करते हैं, जो क्षेत्र के लोगों का अपमान है। गिल ने गनीव कौर को लेकर अकाली दल द्वारा फैलाए जा रहे "धक्के वाले बयान" को पूरी तरह झूठा और भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि अकाली दल मुद्दों की कमी छुपाने के लिए फर्जी विवाद खड़ा कर रहा है ताकि जनता का ध्यान वास्तविक समस्याओं से हटाया जा सके। आप नेता ने दावा किया कि इस बार अकाली दल मजीठा में मजबूत उम्मीदवार तक नहीं खोज पा रहा है। SGPC के कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी देकर टिकट लेने पर मजबूर किया जा रहा है। गिल के अनुसार यह अकाली दल की आंतरिक कमजोरी और संगठन में बढ़ते असंतोष का साफ संकेत है। तलबीर गिल ने कहा कि सुखबीर बादल का मजीठा दौरा दरअसल पार्टी की "डूबती नैया" को बचाने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2007 से 2017 तक अकाली दल की सरकार में भारी लूट हुई , और बादल परिवार ने इसी दौरान कोठियां और बड़ी संपत्ति बनाई। उन्होंने अकाल तख्त से जुड़े मामलों, 328 स्वरूपों और अन्य अनियमितताओं को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए और कहा कि उस समय किसी ने कार्रवाई नहीं की, जिसे जनता आज भी नहीं भूली है। गिल ने यह दावा भी किया कि 75% अकाली कार्यकर्ता सुखबीर बादल को अध्यक्ष मानने को तैयार नहीं हैं और बड़ी संख्या में नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। अंत में उन्होंने कहा कि मजीठा इस बार इतिहास रचेगा और जिला परिषद व ब्लॉक समिति चुनावों में आम आदमी पार्टी भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगी।

फाजिल्का में जिला परिषद चुनाव को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर

समर न्यूज़ | फाजिल्का

फाजिल्का में जिला परिषद और ब्लॉक समिति चुनावों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। एसएसपी गुरमीत सिंह की अगुवाई में पुलिस ने गांव-गांव फ्लैग मार्च निकालकर सुरक्षा व्यवस्था का सख्त संदेश दिया। जिले के 465 पोलिंग बूथों पर 1400 पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि मतदान के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके।

प्रशासन ने कुल बूथों में से करीब 150 को संवेदनशील चिह्नित किया है, जहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। गश्त में तेज़ी लाई गई है और क्यूआरटी, नाकाबंदी टीमों, रिजर्व फोर्स तथा गश्ती दलों को जरूरी दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। एसएसपी ने बताया कि चुनावी दिनों में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस तैयार है और लोगों को भरोसा दिया जा रहा है कि मतदान पूरी तरह सुरक्षित माहौल में होगा। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि किसी भी व्यक्ति को डर, दबाव या लालच में आकर मतदान करने की आवश्यकता नहीं है। जिले के 20 पोलिंग स्टेशनों पर बैकअप के तौर पर अतिरिक्त पुलिस पार्टी तैनात की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। अंतरराज्यीय सीमाओं पर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। पंजाब–हरियाणा सीमा पर दोनों राज्यों की पुलिस ने संयुक्त नाकाबंदी की है ताकि संदिग्ध व्यक्तियों, अवैध शराब व बाहरी तत्वों की आवाजाही को रोका जा सके।

पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे निडर होकर मतदान करें। अगर कोई व्यक्ति उन्हें प्रभावित करने की कोशिश करे, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

टैन कॉफी की दुकान में चोरी

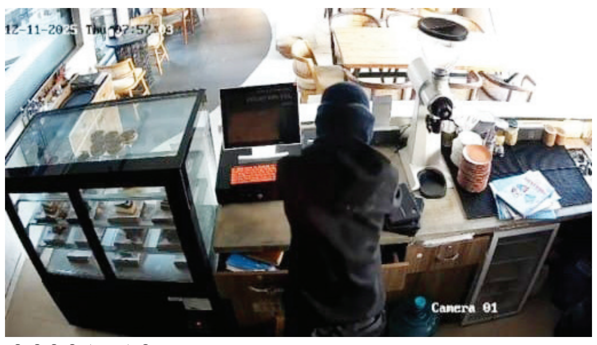

सीसीटीवी में आरोपी
- समर न्यूज़

समर न्यूज़ | जालंधर

जालंधर के मॉडल टाउन स्थित टैन कॉफी की दुकान को चोरों ने निशाना बनाया है। मिली जानकारी के अनुसार चोर साथ वाली इमारत से दूसरी मंजिल से दुकान में घुसे और दुकान की तिजौरी से 40 हजार की नगदी लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना दुकानदार ने पुलिस को दे दी है। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई और पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे है। घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें देखा जा सकता है कि मुंह ढका एक चोर दुकान में घुसता है तो तिजौरी से दस्तावेज निकालकर बाहर टेबल पर रख देता है। जिसके बाद वह तिजौरी से पैसे निकालकर लाल कपड़े में रखने शुरू कर देता है। इसके बाद टेबल पर रखी एलईडी को उठाकर बिल्लिंग मशीन को उठाकर उसमें से कैश निकालने की कोशिश करता है। वहीं दुकान मालिक का कहना हैकि है कि चोर दुकान से नगदी और टैन कॉफी की मशीन लेकर फरार हो गया।

एलपीयू में 26वां पंजाब स्टेट स्पेशल ओलंपिक्स का आयोजन

समर न्यूज़ | जालंधर

ज़िला स्पेशल ओलंपिक्स एसोसिएशन को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि 26वां पंजाब स्टेट स्पेशल ओलंपिक्स 2025 का आयोजन लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में 12 से 14 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा। इस वर्ष के राज्य स्तरीय इस महत्त्वपूर्ण आयोजन में 23 जिलों के प्रतिभागी शामिल होंगे। कार्यक्रम में 1000 स्पेशल एथलीट्स अपनी प्रतिभा और हौसले का प्रदर्शन करेंगे। उन्हें सहयोग प्रदान करेंगे 150 कोच, अधिकारी एवं स्वयंसेवक जो समावेशन, खेल भावना और स्पेशल ओलंपिक्स की भावना को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। पंजाब स्टेट स्पेशल ओलंपिक्स का उद्देश्य बौद्धिक दिव्यांगता वाले खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक खेलों के माध्यम से सशक्त बनाना है। तीन दिवसीय इस आयोजन में विभिन्न खेल स्पर्धाएं, सांस्कृतिक गतिविधियां और एथलीटों की उपलब्धियों का उत्सव शामिल होगा। एसोसिएशन के प्रधान राजीव द्विवेदी , रेखा कश्यप स्पोर्ट्स डायरेक्टर, सेक्रेटरी नवजोत सरुप, पूनम शर्मा, एसोसिएशन के मेंबर्स पराग उप्पल और शैलजा द्विवेदी शामिल थे। जालंधर एसोसिएशन के स्पेशल एथलीट अनन्या और रितेश उप्पल को यूथ लीडर ननकी सिंह ने बधाई दी। एरिया डायरेक्टर परमजीत सिंह सचदेवा ने कहा कि इस बार जालंधर की टीम बहुत जोश के साथ इस इवेंट को सफल बना रही है इसलिए स्पेशल ओलिंपिक भारत उन्हें बधाई देता है कि इतने बड़े कार्य के लिए जालंधर टीम ने पहल की।ज़िला स्पेशल ओलंपिक्स एसोसिएशन जालंधर पंजाब भर के खिलाड़ियों की प्रेरणादायक कहानियों और उपलब्धियों को प्रसारित करने में आपके सहयोग की अपेक्षा करता है।

मुश्किल मार्च तक यात्रियों की बढ़ेगी मुश्किल, दृश्यता कम होने से रेलवे का फैसला

कोहरे ने बिगाड़ी रेल व्यवस्था: पंजाब आने वाली 22 ट्रेनें रद्द

समर न्यूज़ | पंजाब

पंजाब में घने कोहरे ने रेल यातायात को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। खराब दृश्यता के चलते रेलवे ने प्रदेश की 22 प्रमुख ट्रेनों को फरवरी के अंत और मार्च के पहले सप्ताह तक रद्द कर दिया है, जिससे यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। जालंधर सहित कई क्षेत्रों में सुबह 9 बजे तक ट्रेनों की आवाजाही लगभग ठप रही और केवल शताब्दी तथा शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस ही समय पर पहुंच पाईं।

लंबे समय तक ट्रेनें न आने से स्टेशन लगभग खाली दिखा, जबकि देर से आने वाली ट्रेनों के यात्रियों को स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में धूप सेंकते देखा गया। बुधवार को अमृतसर क्लोन स्पेशल एक्सप्रेस 5 घंटे 15 मिनट, आम्रपाली एक्सप्रेस 4 घंटे 30 मिनट, और हावड़ा-अमृतसर मेल 3 घंटे 45 मिनट की देरी से पहुंचीं। इसके अलावा सचखंड, लोहित, सरयू यमुना, संभलपुर, उधमपुर सुपरफास्ट, हीराकुंड, मालवा सुपरफास्ट, लुधियाना-छेहर्टा MEMU, सरबत दा भला, शालीमार और उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस भी निर्धारित समय से काफी देर से पहुंची। रद्द ट्रेनों की संख्या बढ़ने से यात्रियों को जलियांवाला बाग एक्सप्रेस, हिसार-अमृतसर एक्सप्रेस, देहरादून एक्सप्रेस, होशियारपुर एक्सप्रेस, जम्मू मेल, जम्मूतवी गरीबरथ एक्सप्रेस और उधमपुर एक्सप्रेस के न चलने की वजह से भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रेलवे ने जिन ट्रेनों को मार्च की शुरुआत तक रद्द किया है, उनमें गरीब रथ एक्सप्रेस (12207/12208) 24 फरवरी तक, योग नगरी–जम्मूतवी एक्सप्रेस (14606/14605) 22 फरवरी तक, लालकुआँ–अमृतसर एक्सप्रेस (14615/14616) 28 जनवरी तक, जनसेवा एक्सप्रेस (14617/14618) 2 मार्च तक, कालका–वैष्णो देवी एक्सप्रेस (14503/14504), नंगल डैम एक्सप्रेस (14505/14506), अमृतसर–चंडीगढ़ एक्सप्रेस (14541/14542) और दुर्ग्याणा एक्सप्रेस (12357/12358) 28 फरवरी तक शामिल हैं। वहीं अमृतसर–अजमेर एक्सप्रेस (19611/19614) और जालंधर इंटरसिटी एक्सप्रेस (14681/14682) 1 मार्च तक रद्द रहेंगी। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेनों की स्थिति की जांच अवश्य कर लें और रद्दीकरण या देरी संबंधी अपडेट नियमित रूप से प्राप्त करते रहें।

समर प्राइम 3
www.summerexpress.in
12 दिसंबर 2025
समर एक्सप्रेस

पंजाब-हरियाणा में पराली जलने की रिपोर्ट इसलिए कम दर्ज हो रही, क्योंकि हमारे उपग्रह सुबह 10:30 से दोपहर 1:30 बजे के बीच ही स्कैन करते; किसानों ने निकाला तोड़ दोपहर को जलाते हैं

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पराली जलाने की समस्या पर जारी सरकारी आंकड़े अब वास्तविकता को सही ढंग से पेश नहीं कर पा रहे हैं। iFOREST (International Forum for Environment, Sustainability and Technology) द्वारा जारी नई रिपोर्ट 'स्टबल बर्निंग स्टेटस रिपोर्ट 2025' में खुलासा हुआ है कि पंजाब और हरियाणा में होने वाली 90% से अधिक पराली की आगें सरकारी मॉनिटरिंग सिस्टम की नजरों से बाहर रह जाती हैं। कारण यह है कि किसानों ने आग लगाने का समय दोपहर 3 बजे के बाद शिफ्ट कर दिया है, जबकि सरकारी उपग्रह भारत को केवल सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे के बीच ही स्कैन करते हैं।

2024-25 में 90% आग दोपहर 3 बजे के बाद लगीं: कई वर्षों के उपग्रह डेटा के विश्लेषण के आधार पर iFOREST ने बताया कि 2021 में केवल 3% आगें दोपहर 3 बजे के बाद लगती थीं, 2024 और 2025 में यह संख्या बढ़कर 90% से ज्यादा हो गई, हरियाणा में भी 2019 से ही यही ट्रेंड जारी है। रिपोर्ट कहती है कि मौजूदा मॉनिटरिंग सिस्टम जमीनी वास्तविकता के उलट काम कर रहा है। चंद्र भूषण सीईओ iFOREST ने कहा की मॉनिटरिंग सिस्टम संरचनात्मक रूप से गलत है। किसान दोपहर बाद आग लगा रहे हैं, जबकि हमारे उपग्रह उस समय खेतों को स्कैन ही नहीं करते। इससे आग की संख्या और प्रदूषण दोनों का अनुमान गंभीर रूप से कम हो जाता है।

मॉनिटरिंग सिस्टम की सबसे बड़ी कमी : भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के तहत चलने वाला CREAMS सिस्टम मुख्यतः

निम्न उपग्रहों पर निर्भर है MODIS, VIIRS। ये उपग्रह भारत को केवल दिन में एक बार ही कैप्चर करते हैं वह भी एक संकरी समय-खिड़की में। अब जब आगें दोपहर बाद लग रही हैं, सरकारी आंकड़ों में बड़ी संख्या की आग दर्ज ही नहीं होती।

दिल्ली के प्रदूषण का अनुमान भी गलत साबित: रिपोर्ट चेतावनी देती है कि इन मिस्ड फायर घटनाओं के कारण दिल्ली–NCR में प्रदूषण के स्रोतों का वास्तविक अनुमान नहीं लग पा रहा, AQI मॉडल गलत पूर्वानुमान दे रहे,पॉलिसी फैसले अधूरी जानकारी पर आधारित हैं। iFOREST के अनुसार लेट-आफ्टरनून पराली की आगें मिस होने से उत्सर्जन का अनुमान कई गुना कम दिखता है, जिससे दिल्ली की हवा पर असर भी कम आंक लिया जाता है। रिपोर्ट बताती है कि पराली जलाने पर भले ही मॉनिटरिंग सिस्टम गंभीर खामियों से जूझ रहा हो, लेकिन जमीनी स्तर पर सुधार भी देखने को मिल रहा है। उच्च-रिज़ॉल्यूशन Sentinel-2 Burnt-Area Mapping से पता चलता है कि पंजाब और हरियाणा दोनों राज्यों में जले हुए खेतों का क्षेत्र पिछले वर्षों की तुलना में 25–35 प्रतिशत तक कम हुआ है। पंजाब में खरीफ सीजन के दौरान जला क्षेत्र 2022 के 31,447 वर्ग किलोमीटर से घटकर 2025 में 20,000 वर्ग किलोमीटर रह गया, यानी 37 प्रतिशत की कमी। वहीं हरियाणा में 2019 के 11,633 वर्ग किलोमीटर की तुलना में 2025 में यह घटकर 8,812 वर्ग किलोमीटर हो गया, जो 25 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। iFOREST का कहना है कि सक्रिय आग गिनने की बजाय जले हुए क्षेत्र का अध्ययन वास्तविक स्थिति का अधिक सटीक चित्र प्रस्तुत करता है। संस्था के प्रमुख चंद्र भूषण ने आगाह करते हुए कहा कि यह कमी उत्साहजनक अवश्य है, लेकिन अभी संतोष करने का समय नहीं है, क्योंकि 2025 में भी पंजाब और हरियाणा में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पराली जलाई गई, जो दिल्ली-एनसीआर और पूरे इंडो-गंगेटिक मैदान की वायु गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि यह विश्लेषण पहली बार मल्टी-सैटेलाइट और मल्टी-सेंसर तकनीक से किया गया, जिसमें MODIS और VIIRS के Active Fire Count, Sentinel-2 के उच्च-रेज़ॉल्यूशन Burnt-Area डेटा और Meteosat-8 व 9 के SEVIRI इंस्ट्रूमेंट से प्राप्त हर 15 मिनट की जियोस्टेशनरी इमेजरी शामिल थी।

मैं बोलूंगा तो...

चंडीगढ़ में नई क्रांति...डिलीवरी बॉय अब घोड़े पर सवार

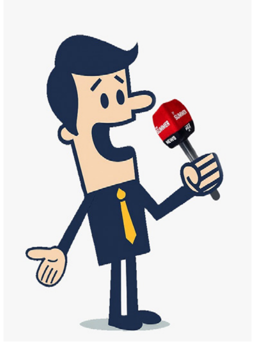

समर न्यूज | चंडीगढ़

चंडीगढ़ की सड़कों पर इन दिनों एक नया ट्रैफिक क्रांति–मॉडल देखने को मिल रहा है। न लाल बाइक, न नारंगी टी-शर्ट अब स्विगी–ज़ोमैटो वालों ने डिलीवरी का असली "घोड़ा मॉडल" निकाल लिया है। वजह भी साफ है—इंधन महंगा, चालान महंगा, और पेट्रोल पंप पर कतारें लंबी। ऐसे में नौजवानों ने सोचा, क्यों न मुग़लिया डाक-व्यवस्था को ही पुनर्जीवित कर दिया जाए! अब दृश्य देखिए—एक हाथ में बिरयानी, दूसरे में फोन, पीछे झूलती फूड बैग, और नीचे दौड़ता घोड़ा। लगता है जैसे महाराणा प्रताप ने अचानक फूड डिलीवरी स्टार्टअप शुरू कर दिया हो। ग्राहक ट्रैक कर रहे होते हैं—"राइडर आपके पास है—अभी सेक्टर 17 के चौक में सरपट दौड़ रहा है अगर घोड़ा फिसला नहीं तो 6 मिनट में पहुँच जाएगा! ट्रैफिक पुलिस बेचारा भी हैरान—बाइक पकड़ो तो चालन, पर घोड़ा? ना नंबर, ना इंडिकेटर, ना हेलमेट की ज़रूरत। ऊपर से हवा चीरता हुआ राइडर चिल्लाता निकल जाता—"सर, ऑर्डर लेट हो रहा है!" पुलिस वाले भी सोच में पड़ गए कि घोड़े को रोकें या खुद ट्रैफिक नियमों को फिर से लिखें। कुछ तो कह रहे हैं कि जल्दी ही एक नई साइनबोर्ड लगेगी—"घोड़ा लेन केवल डिलीवरी पार्टनर्स हेतु। पर असली मज़ा तो शहरवासियों को आ रहा है। जहां पहले कुत्ते बाइक का पीछा करते थे, अब वे घोड़े का पीछा करते हैं। और जहाँ पहले लोग शिकायत करते थे कि सड़कों पर गड्ढे हैं, अब शिकायत है कि सड़कों पर घोड़े की लीद है। नगर निगम भी दुविधा में—सफाई कर्मचारी बाइक के लिए तो तैयार थे, पर घोड़े के "उत्पाद" के लिए अब एक्स्ट्रा बजट चाहिए। कोई कह रहा है, "कम से कम जैविक खाद ही सही, शहर कुछ तो हरा भरा होगा!" ग्राहकों की हालत भी मजेदार है। ऐप पर नोटिफिकेशन आता है—"आपका ऑर्डर डिस्पैच हो चुका है"—साथ में एक छोटा-सा आइकॉन जिसमें बाइक नहीं, एक दौड़ता घोड़ा बना होता है। और अगर बारिश हो जाए तो समझो आपका खाना बड़े मीटर से नहीं, गैलपिंग स्पीड से आ रहा है। और डिलीवरी बॉय? वह तो खुद हीरो बन गया। जब घोड़े पर बैठकर सड़क पार करता है, लोग वीडियो बनाते हैं, बच्चे हाथ हिलाते हैं—किसी को लगता है कोई ऐतिहासिक फिल्म की शूटिंग चल रही है, किसी को लगता है चंडीगढ़ में अब ट्रैफिक नहीं, टर्फ क्लब खुल गया है।

कुल मिलाकर, चंडीगढ़ की स्मार्ट सिटी अब सच में स्मार्ट हो गई है—भैया, बाइक पर चालन और पेट्रोल के चक्कर में जबरदस्त समाधान निकाला है। बस अगला कदम यह होगा कि ऐप पर नया विकल्प दिखे "डिलीवरी मोड चुनें: बाइक, साइकिल या घोड़ा। और तब असली मज़ा आएगा!

#MainBolungaTo
#SummerExpress #SummerNews
#chandigarhtraffic #onlineorders
#FakeSeriousNews

Good DAY

समर न्यूज | लुधियाना

आज का नया दिन नई उम्मीदें, नए अवसर और नई ऊर्जा लेकर आया है। सुबह की ताज़ी हवा की तरह आपका मन भी शांत और सकारात्मक रहे। जो काम आप आज शुरू करें, वह पूरे मन से करें और सफलता आपके कदम चूमे। जीवन छोटे-छोटे पलों से बनता है, इसलिए हर पल को मुस्कान के साथ जिएं, चाहे वह व्यस्तता का हो या आराम का। चुनौतियाँ आएँ तो उन्हें हिम्मत और धैर्य से संभालें, क्योंकि हर चुनौती एक नए सीख का अवसर होती है। दुआ है कि आज का दिन आपके लिए खुशियाँ, सफलता और अच्छी खबरें लेकर आए। आपका मन प्रसन्न रहे, घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहे और आपके सभी कार्य मंगलमय हों।

राकेश कपूर
राज्य मीडिया पैनलिस्ट
बीजेपी पंजाब

हिमाचल दुष्कर्म से मर्डर तक: 3 साल में 1462 अपराध पर सजा सिर्फ 2 हत्याओं में

शगुन कश्यप | शिमला
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश का डरा देने वाला ग्राफ; न्याय की रफ्तार सबसे धीमी

हिमाचल प्रदेश में आपराधिक घटनाओं की बढ़ती संख्या अब गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। पिछले तीन वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में अपराधों में लगातार इजाफा हुआ है। विधानसभा में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में इस अवधि में कुल 1462 गंभीर अपराध दर्ज किए गए। इनमें से 1011 दुष्कर्म, 248 हत्या, और 203 आत्महत्या के मामले शामिल हैं। दुष्कर्म के 1011 मामलों में से 818 मामलों की जांच पूरी कर उन्हें न्यायालय में भेजा गया, लेकिन केवल 29 मामलों में ही दोषियों को सजा सुनाई जा सकी। वहीं 102 मामले ऐसे रहे जिनमें आरोपी बरी हो गए। हत्या के मामलों में स्थिति और भी चिंताजनक है 248 मामलों में से मात्र दो मामलों में ही दोषियों को सजा मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, पूरे प्रदेश में दर्ज 1462 अपराधों में से 149 मामलों की जांच अब भी लंबित है, जबकि कुल मामलों में से सिर्फ 33 मामलों में ही दोष सिद्ध हो पाया है।

ऊना गोलीकांड ने बढ़ाए सवाल
हाल ही में पंजाब से आए हमलावरों द्वारा ऊना जिले में किए गए गोलीकांड ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। हालांकि

घटना के बाद ऊना पुलिस ने सड़कों पर मोर्चा संभालते हुए सख्ती दिखाई, लेकिन स्थानीय जनता का सवाल अब भी वही है आखिर कब तक अपराधी खुलेआम हथियार लहराते रहेंगे? जनता का मानना है कि पुलिस की कार्रवाई का प्रभाव अपराधियों के मन में केवल कुछ समय तक ही रहता है, और हालात पहले जैसे हो जाते हैं।

सतर्कता ब्यूरो की रिपोर्ट भी चिंताजनक
हिमाचल प्रदेश राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो की रिपोर्ट बताती है कि 42% मामले अभी जांच के अधीन हैं। 17% शिकायतें अभी प्रारंभिक जांच में हैं। प्रदेश में सबसे अधिक एफआईआर ट्रैपिंग मामलों में दर्ज की गई हैं। यह आंकड़े साफ करते हैं कि भ्रष्टाचार और अपराध दोनों मोर्चों पर काम की रफ्तार सुस्त है।

अपराध में सबसे आगे सोलन, हमीरपुर में नया खतरा
जहाँ कई लोग यह मानते हैं कि अपराध के मामलों में ऊना शीर्ष पर है, वहीं वास्तविक आंकड़े बताते हैं कि सोलन जिला अपराध दर में सबसे आगे है। इसके उलट हमीरपुर जिला 11वें स्थान पर होने के बावजूद हालिया घटनाओं ने सबको चौंका दिया है। हाल ही में हमीरपुर में एक नाबालिग द्वारा महिला पर दुष्कर्म के प्रयास के दौरान की गई वारदात, जिसमें महिला की जान चली गई, यह संकेत है कि मुख्यमंत्री के गृह जिले में भी अपराध की गंभीरता तेजी से बढ़ रही है। यह घटना बताती है कि अब हमीरपुर भी ऐसी वारदातों से अछूता नहीं रह गया है।

बद्दी के एसपी विनोद धीमान ने बताया कि इस साल मर्डर के 6 मुकदमे दर्ज हुए हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 11 थी। ऐसे में इन मामलों में कमी आई है। लड़ाई-झगड़े के मामलों की बात करें तो इस साल बद्दी में 1073 केस दर्ज हुए, जो पिछले साल से 10 मामले अधिक हैं। उन्होंने बताया कि जिले में अवैध खनन के मामलों की संख्या भी काफी अधिक है। इस वर्ष अवैध खनन की 66 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसके अलावा अवैध खनन पर कार्रवाई करते हुए 368 चालान किए गए तथा 450 वाहन बरामद किए गए हैं। एनडीपीएस एक्ट के तहत नशे के 84 मामले सामने आए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक हैं।चोरी के मामलों में इस साल कमी देखी गई है। इस वर्ष 46 चोरी के मामले दर्ज हुए, जबकि पिछले साल यह संख्या 79 थी। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर इस वर्ष 1,05,035 ट्रैफिक चालान किए गए, जो पिछले वर्ष से 25 हजार अधिक हैं।सड़क दुर्घटनाओं की बात

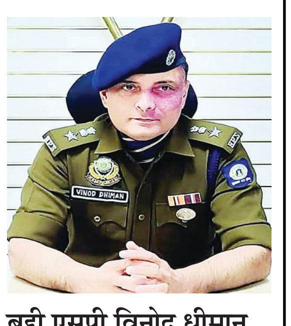

बद्दी एसपी विनोद धीमान

करें तो इस साल 122 एक्सीडेंट हुए हैं, जबकि पिछले वर्ष 131 दुर्घटनाएँ हुई थीं। एसपी विनोद धीमान ने कहा कि इन सभी मामलों की रोकथाम के लिए पेट्रोलिंग और सुबह-शाम गश्त को और मजबूत किया जाएगा। जहां वारदातें अधिक होती हैं, उन क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग की जाएगी।उन्होंने बताया कि बद्दी की सीमाए पंजाब और हरियाणा से लगती हैं, इसलिए इंटर-स्टेट पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी ताकि स्मगलिंग पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। एनडीपीएस एक्ट के तहत एक स्पेशल सेल भी बनाया गया है, जो चिट्टा व अन्य नशे के मामलों में विशेष कार्रवाई कर रहा है।

अडानी ग्रुप भारत में 12 लाख करोड़ रुपये का करेगा निवेश

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

पोर्ट्स से लेकर ऊर्जा और माइनिंग तक कई प्रमुख क्षेत्रों में काम करने वाला अडानी ग्रुप अगले छह वर्षों में भारत में 12 लाख करोड़ रुपये का विशाल निवेश करने जा रहा है। इस निवेश योजना की जानकारी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने IIT (ISM) धनबाद के शताब्दी समारोह में शिरकत करते हुए दी। अडानी ने कहा कि यह निवेश भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर, माइनिंग, रिन्यूएबल एनर्जी, पोर्ट्स, लॉजिस्टिक्स और अन्य प्रमुख सेक्टरों में बड़े पैमाने पर किया जाएगा।

उनके अनुसार, यह पूंजी देश की विकास दर को नई गति देने के साथ-साथ ऊर्जा ट्रांज़िशन को तेज़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि अडानी ग्रुप गुजरात के खावरा में दुनिया का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क विकसित कर रहा है, जो लगभग 520 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह परियोजना पूरी तरह सक्रिय होने के बाद 2030 तक 30 गीगावाट ग्रीन एनर्जी पैदा करेगी। यह उत्पादन क्षमता इतनी है कि सालभर में 6 करोड़ से अधिक घरों को बिजली उपलब्ध कराई जा सके। अडानी ने कहा कि भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए रिन्यूएबल सेक्टर में निवेश करना समय की मांग है।

अब उड़ानों में तकनीकी कारण से अधिक देरी को गंभीर माना जाएगा

कंपनियों को 72 घंटे में विस्तृत रिपोर्ट और त्वरित सूचना देना अनिवार्य

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

हाल के दिनों में इंडिगो की बड़ी संख्या में उड़ानों के रद्द होने और देरी ने जहां यात्रियों को भारी परेशानी में डाला, वहीं विमानन क्षेत्र की गंभीर कमजोरियों को भी उजागर कर दिया। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने देश के एविएशन सेक्टर में तकनीकी खामियों की निगरानी प्रणाली को पहली बार पूरी तरह बदलते हुए तत्काल प्रभाव से नई व्यवस्था लागू कर दी है।

डीजीसीए द्वारा जारी 12 पेज के नए आदेश में कहा गया है कि अब किसी भी निर्धारित उड़ान में तकनीकी कारण से 15 मिनट या उससे अधिक देरी को गंभीर माना जाएगा और उसकी जांच अनिवार्य रूप से की जाएगी। एयरलाइंस को यह स्पष्ट करना होगा कि देरी किस कारण हुई, समस्या कैसे दूर की गई और भविष्य में उस खामी को दोबारा होने से रोकने के लिए क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए। इतना ही नहीं, नए नियमों के अनुसार किसी भी 'मेजर डिफेक्ट' की सूचना एयरलाइन को तुरंत फोन पर डीजीसीए को देनी होगी, जबकि उसकी विस्तृत लिखित रिपोर्ट 72 घंटे के भीतर सौंपना अनिवार्य होगा। नियमों में यह भी प्रावधान शामिल किया गया है कि यदि कोई तकनीकी दोष तीन बार दोहराया जाता है, तो उसे 'रिपीटेटिव डिफेक्ट' माना जाएगा और इसके लिए अलग से विशेष जांच शुरू की जाएगी।

माना जा रहा है कि हालिया इंडिगो संकट और पिछले महीनों में बढ़ते सुरक्षा घटनाक्रमों ने डीजीसीए को यह सख्ती अपनाने के लिए मजबूर किया है। पहले की व्यवस्था में ऐसी विस्तृत अनिवार्य जांच का नियम नहीं था, जिसके कारण कई तकनीकी खामियाँ समय पर पकड़ से बाहर रह जाती थीं।

ब्रिटिश कोलंबिया के स्पीकर ने हरिमंदर साहिब में मत्था टेका

समर न्यूज़ | अमृतसर

ब्रिटिश कोलंबिया विधानसभा के स्पीकर राज चौहान ने अपने परिवार के साथ सच्चखंड श्री हरिमंदर साहिब में माथा टेका। इस अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से धर्म प्रचार समिति के सदस्य भाई अजब सिंह अभ्यासी और सचिव बलविंदर सिंह काहलवां ने सूचना केंद्र में उनका सम्मान किया। SGPC अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी का धन्यवाद किया।

ब्रिटिश सिख कैप्टन OBE अवॉर्ड से सम्मानित

एजेंसी | लंदन

ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय मूल के सिख कैप्टन जय (जगजीत) सिंह सोहल को प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश-भारतीय सेना के लिए सेवा करने वाले सिख सैनिकों की स्मृति को संरक्षित रखने के उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (OBE) से सम्मानित किया गया है।

लंदन स्थित सेंट जेम्स पैलेस में आयोजित समारोह में प्रिंसेस ऐन ने सोहल को यह सम्मान प्रदान किया। बर्मिंघम में जन्मे और ब्रिटिश आर्मी के रिजर्व अधिकारी सोहल ने वर्ष

2015 में स्टैफोर्डशायर स्थित नेशनल मेमोरियल आर्बोरटम में ब्रिटेन का पहला WW1 Sikh Memorial स्थापित किया था। यह स्मारक 150 एकड़ में फैले परिसर का हिस्सा है, जहाँ 400 से अधिक मेमोरियल मौजूद हैं। इस स्मारक का उद्देश्य प्रथम विश्व युद्ध में लड़ने वाले सिख सैनिकों के बलिदान को सम्मानित करना है। 42 वर्षीय सोहल, जो रॉयल सटन कोल्डफ़ील्ड के रहने वाले और एक रणनीतिक संचार विशेषज्ञ हैं, समारोह में वर्दी पहनकर पहुँचे।

उनकी पत्नी सुखमनी और बच्चे भी समारोह में मौजूद थे। सोहल ने कहा, "मैंने प्रिंसेस रॉयल को बताया कि सिखों के लिए यह स्मारक कितना महत्वपूर्ण है यह हमें दोनों विश्व युद्धों में सिख सैनिकों के योगदान को याद करने और उसकी कहानी आगे बढ़ाने में मदद करता है।

पेज 3 एंकर स्टोरी — इंटरव्यू से पहले सोशल मीडिया पोस्ट और ऑनलाइन प्रोफ़ाइल की होगी कड़ी जांच

भारत में हजारों H1B वीज़ा के इंटरव्यू रद्द

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

भारत में हज़ारों H-1B वीज़ा एप्लिकेंट्स के इस महीने के अंत में होने वाले इंटरव्यू अचानक कई महीनों के लिए टाल दिए गए हैं। यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि US इमिग्रेशन अधिकारी अब इंटरव्यू से पहले उम्मीदवारों के सोशल मीडिया पोस्ट और ऑनलाइन प्रोफ़ाइल की व्यापक जांच करेंगे।

कई एप्लिकेंट्स, जिनके इंटरव्यू अगले हफ़्ते निर्धारित थे, उन्हें US इमिग्रेशन विभाग से ईमेल मिले हैं,

जिनमें बताया गया है कि उनके इंटरव्यू अब अगले साल मई के अंत तक पोस्टपोन किए जा रहे हैं। नई स्क्रीनिंग प्रणाली के तहत, अन्य वीज़ा कैटेगरीज में भी इसी तरह की देरी देखी जा रही है।

US वापस लौटने में होगी देरी, भारतीय पेशेवरों में चिंता
इंटरव्यू रीशेड्यूलिंग का असर सबसे ज्यादा उन H-1B एप्लिकेंट्स पर पड़ रहा है, जो अभी इंडिया में हैं और अपनी नई डेट आने तक US नहीं लौट सकते, क्योंकि उनके पास वैलिड H-1B वीज़ा नहीं है। 15 दिसंबर के इंटरव्यू वाले उम्मीदवारों को अब मार्च की तारीखें भेजी गई हैं, 19 दिसंबर के इंटरव्यू वाले एप्लिकेंट्स को मई के आखिर में डेट दी गई है। US एम्बेसी ने साफ कहा है कि उम्मीदवार पहले से तय तारीख पर कॉन्सुलर ऑफिस न आएं, बल्कि केवल नई तारीख पर ही पहुंचे।

H1B वीज़ा: भारतीय सबसे अधिक प्रभावित

H-1B प्रोग्राम अमेरिकी कंपनियों को विशेष कौशल वाले विदेशी प्रोफेशनल्स हायर करने की अनुमति देता है। यह वीजा पहले 3 साल के लिए दिया जाता है, इसके बाद 3 साल का रिन्यूअल संभव है। USCIS के मुताबिक, हाल के वर्षों में मंजूर की गई सभी H1B एप्लीकेशन्स में से करीब 71% भारतीयों की रही हैं — इसलिए इंटरव्यू कैंसिलेशन का सबसे अधिक असर भारतीयों पर ही पड़ा है। सितंबर में US राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने H1B वीज़ा फीस बढ़ाकर $100,000 करने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे वीज़ा प्रक्रिया और महंगी हो सकती है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की मुलाकात

नाश्ते में सांसदों से भी की मुलाकात, 24 दिसंबर को हरियाणा दौरे पर आएंगे अमित शाह

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिल्ली दौरे पर हैं। हरियाणा भवन में सीएम सैनी ने प्रदेश के सभी बीजेपी लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के साथ ब्रेकफास्ट मीटिंग की। करीब दो घंटे चली इस बैठक में हरियाणा से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के बाद सीएम सैनी सांसदों के साथ संसद भवन पहुंचे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रधानमंत्री से बातचीत करते हुए। - समर न्यूज़

संसद भवन पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने हरियाणा में चल रही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पेश की। साथ ही सांसदों के साथ हुई मीटिंग का फीडबैक भी साझा किया। पीएम मोदी ने विभिन्न परियोजनाओं और आगामी विधानसभा विंटर सेशन की तैयारियों की जानकारी ली।

पीएम से मुलाकात के बाद सीएम सैनी ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 24 दिसंबर को हरियाणा दौरे पर रहेंगे।

वह पंचकूला में पुलिस की पासिंग आउट परेड में शामिल होंगे तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके अलावा बाल दिवस को लेकर आयोजित समारोह में भी उनकी मौजूदगी रहेगी।

सैनी ने कहा कि संसद में विपक्ष भ्रामक प्रचार कर रहा है, जिसका अमित शाह ने तथ्यों के साथ जवाब दिया। कांग्रेस पर वोट चोरी के आरोप को लेकर भी उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कोई ठोस सबूत नहीं है।। बैठक में प्रदेश की मुख्य योजनाओं, विकास परियोजनाओं, राजनीतिक और प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी को बताया कि प्रदेश सरकार विंटर सेशन को लेकर पूरी तरह तैयार है।

मुख्यमंत्री सैनी ने नाश्ते में सांसदों के साथ बैठक की। बैठक में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, राव इंद्रजीत सिंह, कृष्ण पाल गुर्जर, कुरुक्षेत्र से बीजेपी सांसद नवीन जिंदल, चौधरी धर्मवीर, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, सुभाष बराला, किरण चौधरी और निर्दलीय सांसद कार्तिकेय शर्मा शामिल रहे।

हरियाणा के सभी जिलों में कड़ाके की ठंड

छह जिलों में शीतलहर का अलर्ट, 12 दिसंबर से एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस होगा सक्रिय

समर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा में मौसम एक बार फिर करवट ले रहा है। प्रदेश में ठंड के तेवर तेज होने लगे हैं और दिन–रात के तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव दर्ज किया जा रहा है। राजस्थान से सटे हरियाणा के छह जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी और नारनौल में मौसम विभाग पहले ही शीतलहर का यलो अलर्ट जारी कर चुका है।

बुधवार को हरियाणा के अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 0.1 डिग्री बढ़ा, जबकि न्यूनतम तापमान में 0.6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखने को मिली। इससे सुबह और रात के समय ठंड और ज्यादा महसूस की जा रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 12 दिसंबर से एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने वाला है। इसके

आग जलाकर हाथ सेंकते लोग। - समर न्यूज़

प्रभाव से हरियाणा के अधिकांश जिलों में ठंड बढ़ेगी और अधिकतम तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकती है। चंडीगढ़ के समीप स्थित पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में गहरी धुंध की स्थिति बनने की संभावना है। अनुमान है कि इसके बाद अन्य जिलों में भी धुंध का स्तर बढ़ जाएगा। इस बीच कई शहरों में तापमान लगातार गिर रहा है। नारनौल में न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। महेंद्रगढ़ में 5.8 डिग्री, सोनीपत में 5.9 डिग्री, हिसार में 6.3 डिग्री और सिरसा में 6.6 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं, यमुनानगर के हथनीकुंड बैराज क्षेत्र में अधिकतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो प्रदेश में सबसे कम है।

कांग्रेस नेताओं को वोट चोरनीया बीमारी हो गईः विज

बोले, कांग्रेस को लगता है वोट चोरी हुई है तो अपने जीते हुए विधायकों से इस्तीफा दिलवाएं

समर न्यूज़ | अंबाला

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। सोनिया गांधी को वोटर लिस्ट में नाम गलत तरीके से जुड़ने के मामले में कोर्ट द्वारा नोटिस जारी होने पर प्रतिक्रिया देते हुए विज ने कहा कि राहुल गांधी की पार्टी का वोट चोरी का लंबा रिकॉर्ड है। विज ने कहा कि इंदिरा गांधी तक को वोट चोरी के कारण अनसीट किया गया था और जस्टिस जेएमएल सिन्हा ने उनके चुनाव को रद्द कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी नागरिक बाद में बनीं लेकिन वोट पहले डालना शुरू कर दिया। विज ने 1946 की कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि 17 में से 12 प्रदेश समितियों ने सरदार पटेल को वोट दिया था, 5 ने आचार्य कृपलानी को, जबकि जवाहरलाल नेहरू को एक भी वोट

अनिल विज जानकारी देते हुए। - समर न्यूज़

नहीं मिला था, फिर भी कांग्रेस ने जीरो वोट वाले को प्रधानमंत्री बना दिया। विज ने कहा कि अगर कांग्रेस को वास्तव में वोट चोरी पर आपत्ति है, तो जहां-जहां उनकी सरकारें बनी हैं, वहां नैतिकता दिखाते हुए पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में भी कांग्रेस वोट चोरी का मामला उठा रही है, जबकि चुनाव उसी वोटर लिस्ट से लड़े गए जिनसे कांग्रेस के विधायक भी जीते हैं।

विज ने तंज करते हुए कहा कि अगर उन्हें लगता है वोट चोरी हुई है, तो अपने जीते हुए विधायकों से भी इस्तीफा दिलवाएं। पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर के 500 करोड़ रुपये की कथित सीएम फॉर्मूला वाली टिप्पणी मामले में उन्होंने कहा कि मैडम सिद्धू ने कांग्रेस की अंदर की बात सामने रख दी कि पार्टी में मुख्यमंत्री कैसे बनाया जाता है। विज ने कहा कि उन्हें इसलिए पार्टी से निकाला गया कि उन्होंने सच क्यों बोला। साथ ही उन्होंने कहा कि अब वे राहुल गांधी से मिलने जा रही हैं ताकि यह बता सकें कि यह फार्मूला तो पार्टी का ही है, इसमें हमने क्या गलत कहा।

नीम हकीम की लापरवाही से 11 वर्षीय बच्चे का हाथ काटना पड़ा

समर न्यूज़ | मेवात

हरियाणा के मेवात में लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया, जहां 11 वर्षीय जुनैद का हाथ एक नीम हकीम के गलत इलाज के कारण काटना पड़ा। गड्ढे में गिरने से उसकी कलाई की हड्डी टूट गई थी, जिसके बाद परिवार उसे देसी हकीम के पास ले गया।

हकीम की अनुपस्थिति में उसके बेटे ने कसकर पट्टी बांध दी, जिससे नसों में खून का प्रवाह बंद हो गया और हाथ सड़ने लगा। दर्द बढ़ने पर परिजन कई अस्पतालों में गए, लेकिन सभी ने हाथ बचाने से इनकार कर दिया। अंततः नूंह मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने उसे सर्जरी कर हाथ काटकर जान बचाई। क्षेत्र में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ रही है, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

नवीन जिंदल की मांग, मतदान प्रक्रिया में बड़े डिजिटल सुधार की जरूरत

जिंदल बोले, UPI की तरह सुरक्षित तकनीक से हो सकती है एब्सेंटी और ई-वोटिंग

समर न्यूज़ | कुरुक्षेत्र

हरियाणा से भाजपा सांसद नवीन जिंदल ने बुधवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों पर जोर देते हुए मतदान प्रक्रिया को और अधिक आधुनिक, सुरक्षित और सुलभ बनाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के युग में देश के करोड़ों पात्र मतदाताओं को मतदान के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है, ताकि लोकतंत्र की भागीदारी और मजबूत हो सके।

शीतकालीन सत्र में बोलते हुए जिंदल ने कहा कि जैसे देश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज़ ऑफ लाइफ की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है, उसी तरह अब ईज़ ऑफ वोटिंग पर भी गंभीरता से काम करने का समय आ गया है। उन्होंने बताया कि लगभग 1.5 करोड़ भारतीय विदेशों में रहते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या चुनाव के दिन भारत न पहुंच पाने के कारण मतदान नहीं कर

सांसद नवीन जिंदल लोकसभा में अपनी बात रखते हुए। - समर न्यूज़

पाती। यह समस्या देश के भीतर भी करोड़ों कामकाजी नागरिकों के सामने आती है, जो नौकरी या अन्य कारणों से अपने शहर से बाहर रहते हैं और मतदान में भाग नहीं ले पाते। जिंदल ने कहा कि भारत रोजाना यूपीआई जैसी डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से करोड़ों सुरक्षित लेनदेन कर रहा है। इसी तरह की मजबूत साइबर सुरक्षा तकनीक का उपयोग कर देश में सुरक्षित एब्सेंटी वोटिंग और ई-वोटिंग को लागू किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक टेक्नोलॉजी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभा सकती है।

कई देश लागू कर चुके हैं सुरक्षित रिमोट और ई-वोटिंग : सांसद जिंदल ने एस्टोनिया, फ्रांस, स्विट्जरलैंड और मेक्सिको जैसे देशों का उदाहरण देते हुए बताया कि इन देशों में सुरक्षित रिमोट वोटिंग और ई-मतदान की व्यवस्था पहले से सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से अपील की कि वह अंतरराष्ट्रीय प्रणालियों का अध्ययन करके भारत के लिए विश्वसनीय और सुरक्षित ई-वोटिंग मॉडल तैयार करें। जिंदल ने सुझाव दिया कि प्रवासी भारतीय और अन्य पात्र मतदाताओं को चुनाव से एक सप्ताह पहले तक ऑनलाइन या रिमोट वोटिंग का विकल्प दिया जा सकता है। सांसद ने कहा कि लोकतंत्र का असली उत्सव तभी पूरा होता है जब हर नागरिक अपने मताधिकार का उपयोग कर सके। उन्होंने कहा "वोट केवल एक निशान नहीं, बल्कि नागरिक की पहचान, शक्ति और जिम्मेदारी है। तकनीक के जरिए इसे और सक्षम बनाया जा सकता है।

जिंदल की यह पहल मतदान प्रक्रिया में व्यापक बदलाव और डिजिटल सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण सुझाव मानी जा रही है।

जमीन विवाद में 15 लोगों ने परिवार पर किया डंडों से हमला, एक की मौत

परिजनों का आरोप घटना की जानकारी देने के बाद लेट से पहुंची पुलिस

समर न्यूज़ | रेवाड़ी

नैनसुखपुरा गांव में बीती रात जमीन विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। करीब 15 लोगों ने महेश के घर में घुसकर परिवार पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला किया।

इस हमले में महेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी, मां और भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों के अनुसार, हमले में कुछ महिलाएं भी शामिल थीं।

इस जमीन को लेकर पहले भी विवाद हो चुका है और मामला फिलहाल अदालत में विचाराधीन है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि घटना की सूचना देने के बावजूद पुलिस मौके पर देर से पहुंची, जिससे लोगों में रोष बढ़ गया।

हमलावरों ने महेश पर पत्थर

मृतक की फोटो - समर न्यूज़

फेंके, जिससे उनकी छाती पर गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घायल तीनों परिवारजन वर्तमान में अस्पताल में उपचाराधीन हैं। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। महेश का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, और पुलिस आरोपी हमलावरों की पहचान कर गिरफ्तार करने के प्रयास कर रही है।

जजपा सत्ता में बने रहकर लूट करने में लगी रहीः वीरेंद्र सिंह

समर न्यूज़ | रेवाड़ी

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौधरी वीरेंद्र सिंह रेवाड़ी पहुंचे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी संदर्भ यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया। वे आज रेवाड़ी के मॉडल टाउन में प्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन यादव के निवास पर पहुंचे। चौधरी वीरेंद्र सिंह ने जजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनकी नीयत कभी जनता की सेवा की नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जजपा केवल सत्ता में बने रहकर खुली लूट करने में लगी रही। वीरेंद्र सिंह ने कहा कि जजपा सरकार में रहते हुए अपना एजेंडा केवल धन कमाने पर केंद्रित रखती रही और वर्तमान में सामने आए घोटालों में उनकी भूमिका स्पष्ट रूप से दिख रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता जजपा को माफ नहीं करेगी, क्योंकि चुनाव से पहले बड़े वादे करने वाली पार्टी सत्ता मिलते ही बीजेपी के साथ मिल गई।

हरियाणा में सरकारी डॉक्टरों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी

पंचकूला में राजेश ख्यालिया और पुलिस के बीच हुई तीखी नोकझोंक

राजेश ख्यालिया और पुलिस के बीच होती नोकझोंक - समर न्यूज़

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हरियाणा में सरकारी डॉक्टरों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी रही। सरकार ने चंडीगढ़ में डॉक्टरों के साथ बैठक की। जानकारी के मुताबिक सरकार डॉक्टरों की चार में से तीन प्रमुख मांगें मान चुकी है, जिसके बाद वार्ता की उम्मीद मजबूत हुई। सरकार की ओर से रियायतें मिलने के बाद पंचकूला पुलिस धरना स्थल पर पहुंची और कहा कि सिर्फ तीन डॉक्टर ही प्रतीकात्मक धरने पर रहें, बाकी सभी अपने-अपने कार्यस्थलों पर लौटें। डॉक्टर अपने रुख पर कायम रहे और स्पष्ट किया कि वे बैठक से पहले धरना खत्म नहीं करेंगे। इसी दौरान हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजेश ख्यालिया और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

इससे पहले सरकार हड़ताल पर रोक लगाने के लिए एस्मा लागू कर चुकी है। चेतावनी दी गई है कि ड्यूटी पर वापस न लौटने पर वेतन रोकने के साथ अन्य कार्रवाई भी की जा सकती है। सरकार हड़ताली डॉक्टरों की सूची तैयार करने में जुटी है। इस बीच मामला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। याचिकाकर्ता अरविंदर सेठ ने अदालत में दलील दी कि सरकारी अस्पताल स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ हैं और उनमें सेवाएं बाधित होने से आम मरीजों की परेशानी बढ़ रही है। मामले की सुनवाई आज ही निर्धारित है।

हिसार में गुरुद्वारे के हेड ग्रंथी से मारपीट

समर न्यूज़ | हिसार

शहर में धार्मिक मर्यादाओं को ठेस पहुंचाने वाला गंभीर मामला सामने आया है। भाई जीवन सिंह गुरुद्वारे के मुख्य सेवादार सरदार चरण सिंह ने डोगरान मोहल्ला पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज करवाई है कि कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट कर पगड़ी उतार दी और दाढ़ी नोच दी। शिकायतकर्ता चरण सिंह के अनुसार, उनकी भतीजी सुनती अपने पड़ोस में मकान बना रही है। 10 दिसंबर को उसके पड़ोसियों द्वारा परेशान किए जाने की शिकायत सब्जी मंडी चौकी में दी गई थी। सोमवार सुबह जब मिस्त्री निर्माण कार्य करने पहुंचे तो पड़ोसियों ने दरवाजा खुलने नहीं दिया और उसकी भतीजी को गालियां देने लगे। चरण सिंह ने बताया कि जब उनकी पत्नी ने बाहर झगड़े की जानकारी दी, तब वे पाठ कर रहे थे। जैसे ही वह बाहर आए और समझाने की कोशिश की, तभी जयगोपाल, सतीश, कुलदीप सहित अन्य लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

अव्यवस्था सड़क हादसा होने का बढ़ रहा खतरा

हरियाणा रोडवेज की कई बसें बिना फॉग लाइट दौड़ रही

अक्षय जाधव | चंडीगढ़
समर न्यूज़

सर्दी का मौसम शुरू होते ही प्रदेश में धुंध बढ़ने लगी है, लेकिन हरियाणा रोडवेज की कई बसें अब भी बिना फॉग लाइट के सड़कों पर दौड़ रही हैं। इससे आने वाले दिनों में बड़े हादसों का खतरा गहरा रहा है। जिले में चल रही अधिकांश बसों से फॉग लाइट या तो गायब हैं, या खराब होने के बावजूद बदली नहीं गईं। रोडवेज डिपो की ओर से बसों पर रिफ्लेक्टर टेप जरूर लगाया गया है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार केवल रिफ्लेक्टर टेप घनी धुंध में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। छोटे वाहन, दोपहिया और पैदल चलने वाले धुंध में जल्दी दिखाई नहीं देते, ऐसे में पीली रोशनी वाली फॉग लाइट विजिबिलिटी बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नई बसों में फॉग लाइट की जगह पीले बल्ब लगाने की व्यवस्था होती है। हालांकि,

सड़क पर चलती हुई रोडवेज की बस। - समर न्यूज़

कई पुरानी बसों में यह सुविधाएं पूरी तरह नहीं हैं और वे बिना फॉग लाइट ही सड़क पर चल रही हैं। चालकों का कहना है कि घनी धुंध में सफेद हेडलाइट विजिबिलिटी कम कर देती है, इसलिए उन्हें पार्किंग लाइट जलाकर चलना पड़ता है। रोडवेज अधिकारी ने बताया कि अधिकांश बसों में फॉग लाइट लगा दी गई हैं। नई बसों में यह व्यवस्था पहले से मौजूद है। सभी बसों पर रिफ्लेक्टर टेप लगा दिया गया है। जल्द ही अतिरिक्त फॉग लाइटें उपलब्ध होंगी और अगले एक सप्ताह में सभी बसों में पीली लाइट लगा दी जाएंगी।

दूसरे सप्ताह से पड़ेगी घनी धुंध : मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि दिसंबर के दूसरे सप्ताह से घनी धुंध का दौर शुरू हो सकता है। ऐसे में दृश्यता बेहद कम हो जाएगी और बिना फॉग लाइट वाहनों के सड़क पर उतरने से दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ सकता है। कई बसों की फॉग लाइट खराब हैं और बदलाव का इंतजार कर रही हैं, जबकि कुछ बसों में यह लाइटें लगी ही नहीं हैं।

बिजली पोल विवाद में गोलीबारी तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज

बिजली का पोल लगाने को लेकर दो पक्षों में हुआ था विवाद

समर न्यूज़ | जींद

जवाहर नगर में बिजली का पोल लगाने को लेकर विवाद के दौरान गोली चलने से कॉलोनी में दहशत फैल गई। इस घटना में किसी को गोली नहीं लगी, लेकिन तनाव बढ़ गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सूबे नगर निवासी सूबे सिंह और उनके पड़ोसी रामनिवास के बीच बुधवार को बिजली का पोल लगाने को लेकर झगड़ा हुआ। झगड़े के दौरान सूबे सिंह को चोट लगी और उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना के दौरान लाइसेंसी पिस्तौल से फायर किए गए, जिससे कॉलोनी के लोग डर गए। सूबे सिंह का आरोप है कि रामनिवास और उनके साथी गाड़ी में आए और उन पर गोली

चलाई। वहीं, विवाद के दूसरे पक्ष का आरोप है कि सूबे सिंह और उनके परिवार ने उन पर फायरिंग की। दोनों पक्षों के बयान लेने के बाद स्थिति गंभीर हो गई और कॉलोनी में तनाव फैल गया।

सूचना पाकर सिविल लाइन थाना प्रभारी पूजा घटनास्थल पर पहुंची और मुआयना किया। मौके से गोली के खोल बरामद किए गए हैं। प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों के लोगों के खिलाफ एक-दूसरे की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर दी गई है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आगामी कार्रवाई के लिए सबूत इकट्ठा कर रही है।

ग्रेनेड हमले के मामले में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी को आठ दिन के रिमांड पर लिया

समर न्यूज़ | सिरसा

महिला पुलिस थाने के बाहर 25 नवंबर को हुए ग्रेनेड हमले की जांच में एसआईटी को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने अमृतसर के तरनतारन रोड, गली बजाज पैलेस निवासी गुरजंट सिंह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद एसआईटी ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया। अदालत ने गुरजंट को आठ दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। सिरसा पुलिस के सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में गुरजंट सिंह ने बताया कि उसने पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी सोहेल के निर्देश पर गांव खारिया निवासी धीरज और विकास को ग्रेनेड सौंपे थे।

गुरजंट ने बताया कि ये ग्रेनेड उसे पट्टी तरनतारन निवासी राजबीर ने दिए थे। राजबीर ने उसे व्हाट्सएप कॉल कर कहा था कि भट्टी भाई की तरफ से सामान देना है। इसके बाद उसने गुरजंट को दो ग्रेनेड सौंप

दिए। गुरजंट ने स्वीकार किया कि 18 नवंबर को वह स्विफ्ट कार में धीरज, विकास, विक्की, सुशील और संदीप को लुधियाना से अमृतसर लेकर गया था। अमृतसर में उसने इन सभी के रहने, खाने और अन्य इंतजाम किए।

22 नवंबर को उसने धीरज और विकास को कपड़े में लपेटकर दो ग्रेनेड दिए।पुलिस रिमांड के दौरान एसआईटी आरोपी से स्विफ्ट कार, बाइक और मोबाइल फोन की बरामदगी करने के साथ अमृतसर में निशानदेही भी करवाएगी। जांच में सामने आया कि फरीदाबाद निवासी शमशुल कमर उर्फ सम्सू आरोपी धीरज को ऑनलाइन भुगतान कर रहा था। उसने गुरुग्राम निवासी सिजान उर्फ गाजी के इशारे पर धीरज को कई बार पेमेंट भेजा था। 22 नवंबर 2025 को शमशुल ने धीरज के खाते में दो हजार रुपये डाले थे।पुलिस ने शमशुल के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की, लेकिन वह अभी तक गिरफ्त में नहीं आया।

हमले की पूरी पृष्ठभूमि

25 नवंबर को रात लगभग 10:15 बजे सिरसा महिला पुलिस थाने के बाहर ग्रेनेड हमला किया गया। घटना के कुछ देर बाद ही इसका वीडियो सोशल मीडिया पर फैल गया। पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने हमले की जिम्मेदारी ली। अगले दिन सिरसा पुलिस ने गांव खारियां से चार युवकों और शहर से एक युवक को गिरफ्तार किया।रिमांड के दौरान पुलिस ने धीरज से विस्फोटक का पिन भी बरामद किया। इसके बाद जांच में जुड़े छठे आरोपी सिजान उर्फ गाज़ी को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

विश्व विख्यात पर्यटन स्थल फागू में एडवेंचर रिसॉर्ट नहीं देखा तो क्या देखा

रोमांच, मनोरंजन और आधुनिक गतिविधियों का विशाल और समृद्ध आयोजन एक ही स्थल पर उपलब्ध, उत्तर भारत का अनोखा एडवेंचर रिसॉर्ट

राहूल | धर्मशाला
समर न्यूज

विश्व विख्यात पर्यटन स्थल शिमला हर साल लाखों सैलानियों का स्वागत करता है, परन्तु आधुनिक समय में जिस स्थान ने शिमला के आकर्षण को एक नई ऊंचाई दी है, वह है न्यू कुफरी का अद्भुत और विशाल एडवेंचर रिसॉर्ट।

कुफरी फन कैम्पस प्राइवेट लिमिटेड की यह अनुपम इकाई अब शिमला की पहचान का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। जहां एक ओर प्राकृतिक सौन्दर्य की भरपूर छटा दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर यहां मनोरंजन और रोमांच का ऐसा संसार रचा गया है जो किसी को भी विस्मित कर देता है। एडवेंचर रिसॉर्ट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उत्तर भारत में ऐसा कोई दूसरा स्थान नहीं है, जहां रोमांच, मनोरंजन और आधुनिक गतिविधियों का इतना विशाल और समृद्ध आयोजन एक ही स्थल पर उपलब्ध हो।

फागू के एडवेंचर रिसॉर्ट में झूला झूलते स्कूली बच्चे - समर न्यूज

यहां आने वाला प्रत्येक व्यक्ति यह महसूस करता है कि यह स्थान केवल मनोरंजन का केन्द्र नहीं, बल्कि रोमांच का एक जीवित संसार है। बच्चे हों या वृद्ध, युवक हों या परिवार के सदस्य, हर किसी के लिये अलग अलग प्रकार के अनुभवों की सुंदर रचना की गई है।

खुले क्षेत्र में आसमान को छूते प्रतीत होने वाले झूले, घूमते पटल, रोमांचकारी उछाल देने वाली गतिविधियां और विभिन्न साहसिक मार्ग यहां आने वाले हर व्यक्ति को हिम्मत और उल्लास से भर देते हैं। भीतर के भाग में भी आनंद की कोई कमी नहीं है। अद्भुत प्रकाश प्रभावों वाली चलचित्र प्रदर्शनी, दर्पणों से बनी भूलभुलैया, भय मिश्रित रोमांच का अनुभव कराती संरचना और बच्चों के लिये बनाई गई सुरक्षित किन्तु मनोरंजक सवारी पूरे परिवार के लिये सुखद क्षणों का निर्माण करती है।

तेज़ गति का आनंद लेने वालों के लिये भी यहाँ एक विशेष मार्ग तैयार किया गया है, जिसमें छोटी रेसिंग कारों के माध्यम से ऐसा अनुभव कराया जाता है मानो किसी वास्तविक खेल मैदान में प्रवेश कर लिया हो।

छोटे बच्चों के लिये लहराती रेल और उछलने वाली गतिविधियां उन्हें पूरे दिन उमंग और उत्साह से भर देती हैं। सबसे मनमोहक दृश्य तब दिखाई देते हैं जब पर्यटक ऊंचाई पर स्थित स्थानों से चारों ओर नजर दौड़ाते हैं। दूर तक फैली गहरी वादियां, हरे भरे पहाड़, आंखों को शान्ति देने वाली हरियाली और ऐसे दृश्य जिन्हें देखकर मन स्वयं को प्रकृति की गोद में पाता है। यहां बहने वाली हवा इतनी शुद्ध है कि वह शरीर को तुरंत ताजगी से भर देती है। इस प्रकार प्रकृति के मध्य बना यह अद्वितीय मनोरंजन स्थल केवल गतिविधियों की वजह से नहीं, बल्कि अपने वातावरण और प्राकृतिक सौन्दर्य की वजह से भी अविस्मरणीय बन जाता है।

रिसॉर्ट का हिम राज्य तो मानो किसी स्वप्न की पूर्ति जैसा है। पन्द्रह हजार वर्ग फुट में फैला यह शीतलोक उत्तर भारत का सबसे बड़ा कृत्रिम हिम क्षेत्र है, जहां प्रवेश करते ही ऐसा लगता है कि किसी वास्तविक बर्फीले प्रदेश में पहुच गये हों। हिम वस्त्र पहनकर इसमें घूमते हुए जिस तरह की अनुभूति मिलती है, वह किसी भी सैलानी के लिये यादगार बन जाती है। हिम फिसलन, हिम खेल, हिम नृत्य और चढ़ाई जैसी गतिविधियां बच्चों और बड़ों दोनों को एक नई दुनिया में ले जाती हैं। दिन भर के रोमांच के बाद यहां परोसा जाने वाला भोजन अनुभव को पूर्णता प्रदान करता है। भोजन में भारतीय, महाद्वीपीय, चीनी और इतालवी शैली के विविध व्यंजन परोसे जाते हैं, जिनकी गुणवत्ता और स्वाद किसी प्रतिष्ठित भोजनालय की याद दिलाने में सक्षम हैं। हर व्यंजन ताजगी, सुगंध और संतुलित स्वाद से भरपूर होता है, जिससे भोजन केवल भोजन नहीं बल्कि एक आनंददायक अनुभव बन जाता है। एडवेंचर रिसॉर्ट वास्तव में शिमला की शान है। यह वह स्थान है जहां मनोरंजन, रोमांच, प्रकृति और सहजता का अद्भुत संगम मिलता है। यहां आकर हर पर्यटक नयी ऊर्जा, नयी ताजगी और नयी यादों के साथ वापस लौटता है। यदि कोई शिमला आया और इस अद्वितीय स्थल को नहीं देखा, तो उसने शिमला के वास्तविक आकर्षण का सम्पूर्ण अनुभव नहीं किया।

कांग्रेस सरकार के 3 साल के जश्न पर बीजेपी का निशाना

राकेश | ऊना
समर न्यूज

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के तीन साल पूरे होने पर मंडी में आयोजित किए जा रहे विशाल कार्यक्रम को लेकर बीजेपी ने कड़ा रुख अपनाया है। भाजपा विधायक सतपाल सत्ती और पूर्व मंत्री वरिंदर कवर ने सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं और इस जश्न को जनता के साथ किया गया धोखा करार दिया है। बीजेपी विधायक सतपाल सत्ती ने मंडी में आयोजित रैली को 'फ्लॉप शो' बताते हुए कहा कि सरकार के तीन साल के कार्यकाल में प्रदेश के प्रत्येक वर्ग में निराशा और रोष का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद कर्मचारियों, युवाओं, नौकरीपेशा लोगों, ठेकेदारों तक सभी वर्ग परेशान हैं। सत्ती ने कहा कि जिस जिले में हाल ही में आपदा ने भारी तबाही मचाई, उसी जिले में सरकार जश्न मना रही है, जबकि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आज भी मूलभूत सुविधाएं बहाल नहीं हो पाई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूलों के बच्चों को बसें नहीं मिल रहीं, लेकिन रैली को सफल दिखाने के लिए सरकारी बसों का दुरुपयोग किया जा रहा है। मनरेगा कर्मियों को भी रैली में लाया जा रहा है। सड़कों की हालत खस्ता है, पानी की पाइपें टूटी पड़ी हैं, लेकिन मरम्मत के बजाय सरकार जश्न मनाने में व्यस्त है। सत्ती ने कहा कि यह जश्न कांग्रेस के लिए आगे चलकर "गले की हड्डी" साबित होगा और जनता इसका जवाब देगी। वहीं, पूर्व मंत्री वरिंदर कवर ने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में किए गए एक भी वादे को पूरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जनता पर लगातार नए टैक्स थोपे जा रहे हैं और आपदा काल में भी सरकार राहत देने में असफल रही है। कवर का आरोप है कि केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए पैसे को कांग्रेस सरकार उत्सव मनाने में खर्च कर रही है।

कांग्रेस सरकार की 10 में से 7 गारंटियों के पूरा होने का दावा

सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू का भाजपा पर हमला

राहूल | मंडी
समर न्यूज

प्रदेश की कांग्रेस सरकार के तीन साल पूरे होने के मौके पर जन संकल्प सम्मेलन आयोजित किया गया, जहां मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की दुहाई देने वाले भाजपा के नेता खुद लोकतंत्र को कमजोर करने में लगे हैं। सुक्खू ने कहा कि भाजपा ने हिमाचल के 9 विधायकों को खरीदा, जबकि उसी लोकतंत्र की बदौलत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर अपने पदों पर बैठे हैं। उन्होंने कहा, "अब भाजपा को बताना चाहिए कि लोकतंत्र की हत्या या रक्षा किसने की है।"सत्ता में राजनीतिक लाभ नहीं, जनहित में कार्य कर रहे हैं। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार सत्ता में केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं आई है। उन्होंने कहा कि यदि वे राजनीतिक लाभ के लिए काम कर रहे होते, तो कर्मचारियों की ओपीएस बहाली को पूरी करने की गारंटी उन्होंने 2027 तक क्यों दी होती। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सरकार ने पहले ही कर्मचारियों की ओपीएस बहाली की गारंटी दी और तीन वर्षों में इसे पूरा करने का रुख अपनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस बदले की भावना में उनकी सरकार को वित्तीय संकट में डालकर 1600 करोड़ रुपये का वित्तीय बंदोबस्त रोका। कांग्रेस ने 10 में से 7 गारंटियां पूरी कीं, बाकी भी पूरी होंगी मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की सरकार द्वारा 10 गारंटियों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें से 7 गारंटियां पूरी की जा चुकी हैं। उन्होंने भाजपा को तंज कसते हुए कहा कि अब भाजपा नेताओं को बार-बार इन गारंटियों को नहीं पूछना चाहिए, बल्कि अपनी कॉपी में लिख लेना चाहिए। उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वासन दिया कि आने वाले समय में बाकी बची गारंटियां भी पूरी कर दी जाएंगी। यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार ने जन सेवा को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं को लागू किया है

चंबा में पिछले तीन महीने से बारिश गायब

खराब होने की कगार पर पहुंची फसलों को देखकर किसानों की बढ़ रहीं चिंता

चंबा, मंजूर पठान
समर न्यूज

चंबा जिला के ऊपरी और पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले लगभग तीन महीनों से बारिश नहीं होने के कारण किसानों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। प्राकृतिक वर्षा पर निर्भर रहने वाले इन क्षेत्रों में इस बार लंबे समय तक सूखा बना रहने से सरसों, गेहूं, जौं और मटर जैसी मुख्य रबी फसलें पीली पड़ने लगी हैं। खेतों में नमी की भारी कमी के कारण फसलों की बढ़वार रुक गई है और कई स्थानों पर फसलें खराब होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं।

किसानों का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधाएं सीमित हैं, इसलिए उनकी खेती पूरी तरह मानसूनी और बेमौसमी वर्षा पर आधारित रहती है। सामान्य परिस्थितियों में इन इलाकों में सर्दियों के दौरान समय-समय पर होने वाली बारिश फसलों को मजबूती देती है, लेकिन इस बार मौसम ने पूरी तरह साथ छोड़ दिया है। लगातार सूखे की वजह से किसान आर्थिक नुकसान की आशंका से भी घिरने लगे हैं।

स्थानीय किसान - समर न्यूज

स्थानीय किसानों ने बताया कि फसलें सूखने लगी हैं और पत्तियों का रंग पीला हो रहा है, जो गंभीर स्थिति का संकेत है।

उनका कहना है कि यदि आने वाले दिनों में बारिश नहीं हुई तो बची-खुची फसल भी नुकसान की चपेट में आ सकती है। किसानों का कहना है कि अब उनकी उम्मीदें केवल आसमान से होने वाली बारिश पर टिकी हैं, क्योंकि यही फिलहाल उनकी फसलों को जीवनदान दे सकती है। किसानों ने प्रशासन और कृषि विभाग से भी आग्रह किया है कि वे स्थिति का आकलन कर समय रहते आवश्यक सलाह और सहायता प्रदान करें, ताकि संभावित नुकसान को कम किया जा सके। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए किसान दुआ कर रहे हैं कि जल्द बारिश हो और उनकी फसलें बच सकें, वरना इस सीजन में भारी हानि झेलनी पड़ सकती है।

हमीरपुर में बनेगी आधुनिक सब्जी मंडी

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज

हमीरपुर में सब्जी विक्रेताओं के लिए जल्द ही एक नई और व्यवस्थित सब्जी मंडी की सुविधा उपलब्ध होने वाली है। नगर निगम हमीरपुर ने लंबे समय से चली आ रही अव्यवस्थित सब्जी बिक्री की समस्या को देखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। ट्राला यूनियन के पास नई सब्जी मंडी स्थापित करने का प्रस्ताव पहले ही रखा गया था, जिस पर कुछ दुकानदारों ने अपनी आपत्तियां भी दर्ज करवाई थीं। अब नगर निगम कमिश्नर राकेश शर्मा ने इस मुद्दे पर स्पष्ट रूप से दिशा-निर्देश जारी करते हुए बताया कि सड़क किनारे और नालियों के पास बैठने वाले सब्जी विक्रेताओं को एक नया, बेहतर और सुरक्षित विकल्प दिया जाएगा। कमिश्नर के अनुसार नगर निगम द्वारा एक आधुनिक, साफ-सुथरी और सुसंगठित सब्जी मार्केट विकसित करने की योजना पूरी तरह तैयार कर ली गई है।

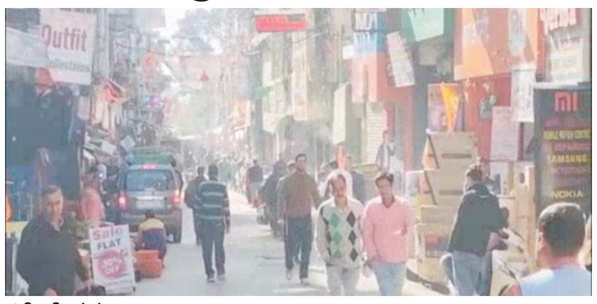

मंडी की फोटो। - समर न्यूज

योजना के तहत वर्तमान में सड़क पर रेहड़ी लगाकर सब्जी बेचने वाले विक्रेताओं को स्थानांतरित कर नई जगह पर करीब 30 से 35 रेहड़िया व्यवस्थित तरीके से स्थापित की जाएंगी। इस नई मंडी में पानी, शेड, स्वच्छता, सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था जैसी सभी आवश्यक सुविधाए उपलब्ध होंगी, ताकि विक्रेताओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। साथ ही, इस क्षेत्र में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे बाजार के आसपास यातायात अव्यवस्थित न हो। कमिश्नर राकेश शर्मा ने शहर के दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानों के बाहर सब्जी विक्रेताओं को बैठने न दें। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ शहर की सुंदरता को खराब करता है, बल्कि बाहर से आने वाले लोगों पर भी गलत प्रभाव डालता है। उन्होंने साफ कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने में सभी नागरिकों का सहयोग बेहद जरूरी है।नगर निगम की यह पहल शहर के बाजार क्षेत्र को व्यवस्थित करने, ट्रैफिक सुधारने और सब्जी विक्रेताओं को स्थायी व सुरक्षित स्थान उपलब्ध करवाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के दुकानदारों पर 40 लाख बकाया

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज

नगर निगम हमीरपुर अब स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आवंटित की गई दुकानों के बकाया किराए को लेकर सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है। बस अड्डा परिसर के नजदीक बने इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 16 दुकानदार ऐसे हैं जिन्होंने अपनी दुकानें खाली करने के बावजूद अब तक बकाया किराया जमा नहीं करवाया है। नगर निगम के अनुसार इन दुकानदारों पर लगभग 40 लाख रुपये की देनदारी अब भी लंबित है। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की दुकानों का आवंटन 'सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स, एजुकेशन एंड ऐक्टिविटीज' द्वारा किया गया था। सोसाइटी ने अब नगर निगम के एसडीओ को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि जिन दुकानदारों ने अभी तक भुगतान नहीं किया है, उनके खिलाफ रिकवरी प्रक्रिया शुरू की जाए।

एसडीएम संजीत सिंह - समर न्यूज

निगम ने संकेत दिया है कि यदि दुकानदार सरल तरीके से राशि जमा नहीं करते, तो मजबूरन तहसीलदार के माध्यम से रिकवरी की कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा। अधिकारी साफ कह रहे हैं कि इस बार किसी भी स्थिति में बकाया माफ नहीं किया जाएगा। एसडीएम हमीरपुर संजीत सिंह ने बताया कि जब उन्होंने पदभार संभाला था, तब इन दुकानदारों से लगभग 80 से 90 लाख रुपये की रिकवरी पेंडिंग थी। मामले की गंभीरता देखते हुए पीपी एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 28 मामलों का निपटारा किया जा चुका है और इनसे करीब 81 लाख रुपये सोसाइटी के खाते में जमा करवा लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी कई दुकानदारों से अच्छा-खासा बकाया वसूल किया जाना शेष है, जिसके लिए विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि सोसाइटी को प्राप्त राशि का उपयोग हाल ही में 11 नई दुकानों के निर्माण में किया गया है। इन दुकानों को उन लोगों को प्राथमिकता के आधार पर आवंटित किया जाएगा जो पहले खोखा लगाकर अपना रोजगार चलाते थे। साथ ही इस परिसर में एक छोटी मंडी भी आयोजित करने की योजना है, जिसमें स्वयं सहायता समूह अपने उत्पाद प्रदर्शित व बेच सकेंगे ताकि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिल सके। एसडीएम संजीत सिंह ने स्पष्ट कहा कि नगर निगम के एसडीओ को पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं कि वे रिकवरी को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाएं। यदि इसके बाद भी दुकानदार भुगतान से कतराते हैं, तो

नड्डा के शिमला दौरे को लेकर भाजपा की खास तैयारियां

सुभाष | बिलासपुर
समर न्यूज

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा के शिमला आगमन को लेकर जिला संगठन व्यापक तैयारियों में जुट गया है। भाजपा जिला शिमला के अध्यक्ष केशव चौहान ने जानकारी देते हुए कहा कि नड्डा 13 दिसंबर को शिमला के पीटरहॉफ में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि बिहार में हालिया सफलता के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का हिमाचल दौरा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने का काम करेगा। चौहान ने कहा कि जेपी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी संगठनात्मक क्षमता को मजबूत किया है, और उनके आगमन से प्रदेश के कार्यकर्ताओं में उत्साह चरम पर है। उन्होंने दावा

वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा - समर न्यूज

किया कि जिला शिमला से कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे, जिससे यह आयोजन ऐतिहासिक होगा। वहीं, राज्य की वर्तमान कांग्रेस सरकार को आलोचना का निशाना बनाते हुए चौहान ने कहा कि सरकार अपने तीन साल के कार्यकाल में अपेक्षित प्रदर्शन करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में विभिन्न विभागों की वित्तीय स्थिति चिंताजनक है। चौहान के अनुसार, पर 2200 करोड़ रुपये का घाटा और लगभग 9000 पेंशनरों का 500 करोड़ रुपये का बकाया लंबित है, जिसके समाधान की दिशा में सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रही।

विजन | करोड़ों रुपए खर्च करके केंद्र और भाजपा सरकार को गालियां देना ही सुक्खू सरकार का विजन

उपलब्धियां गिनाने के बजाय आपस में भड़ास निकालने तक सीमितः जयराम

समर न्यूज | मंडी

केंद्र सरकार की योजना के लाभार्थियों और राज्य सरकार के कर्मचारियों को बुलाकर जुटाई भीड़

मंडी : पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार के तीन साल के जश्न को लेकर कहा कि जहां आपदा में सबसे अधिक नुकसान हुआ वहीं इस सरकार ने जश्न मनाया। इससे असंवेदनशील बात कोई और नहीं हो सकती कि इस सरकार ने आपदा पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाने के बजाए नमक छिड़कने का काम किया। पड्डल के मैदान से आज पूरे प्रदेश ने देखा कि कैसे इनके मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने एक दूसरे के खिलाफ़ आंखे तरेरते हुए भड़ास निकाली। जनता, अधिकारी और कमर्चारी भी ये देख हतप्रभ रह गए कि ये कोई मंच आपसी खुन्नस निकालने का नहीं बल्कि आपदा पीड़ितों की मदद करने और उनकी संवेदनाओं के साथ चलने का था। 3 साल के उत्सव के बाद अपना विजन रखने का मंच जिस कार्यक्रम को सरकार ने बताया वहां सिर्फ केंद्र सरकार को कोसने का काम किया गया। सुक्खू सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि आने वाले 2 साल भी इसी तरह से केंद्र सरकार और पूर्व की भाजपा सरकार को कोसकर ही चलेंगे। मैंने पहले ही कहा था या सरकार विजन लाइफ है विजन पूरी तरीके से ब्लर है। आज केस मंच पर है साबित हो गया है।

संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर - समर न्यूज

उन्होंने कहा कि करीब दस करोड़ रुपए सरकारी कोष से इस सरकार ने क्या इसलिये खर्च किया कि आपस की लड़ाई सरेआम लड़ी जाए। क्या ये पैसा आपदा पीड़ितों को नहीं बांटा जाना चाहिये था।

उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने ही व्यवस्था परिवर्त्तन का नाम देने वाली इस सरकार को खुद ही नम्बर दे डाले कि मुख्यमंत्री सुक्खू जी ऐसा नहीं चलेगा। आज तक हम पर्दे के पीछे सुनते आए थे लेकिन आज सरेआम मंच पर लड़ाई दिखी। एक और बात आज हमें देखने को मिली और पूरी कांग्रेस ने भी देखी कि जिस हॉलीलोज के सहारे ये सरकार सत्ता में आई उनका न तो कोई फ़ोटो और पोस्टर दिखा और खुद भी पूर्व अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उनका बेटा लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ही मौजूद नहीं थे। ये दिखाता है कि कांग्रेस में वीरभद्र सिंह कांग्रेस के लोगों को मुख्यमंत्री सुक्खू और उनके मित्र ही खत्म करने पर तुले हुए हैं। इस रैली में लोग आए नहीं बुलाये गए थे और कर्मचारियों पर दबाब था कि सारा काम छोड़ रैली में अवश्य आना है। रैली में स्कूली बच्चों तक को जबरन बसों में बैठाया गया। आई टी आई के बच्चों को जबरन पड्डल मैदान में धकेला गया लेकिन फिर भी ये रैली असफल और विफल रही। ये रैली सिर्फ अपनी भड़ास निकालने और खुन्नस निकालने तक सीमित रही। सरकारी रैली का नाम देकर सरकारी कार्यक्रम मात्र दो मिनेट में समेट दिया जबकि लोगों और योजनाओं के लाभार्थियों को ये कहकर लाया गया कि आपको पैसे दिलाये जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस सरकार को उखाड़ फैंकने के लिए जनता तैयार बैठी है।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र न मिलने से बढ़ी परेशानी

मंजूर पठान | चंबा
समर न्यूज

चुराह विधानसभा क्षेत्र की भलोडी पंचायत में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र न मिलने से पूरे क्षेत्र में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल वर्ष 2013 में उस समय की ऑयल पंचायत का संपूर्ण रिकॉर्ड आगजनी की घटना में नष्ट हो गया था। बाद में प्रशासनिक पुनर्गठन के चलते यह पंचायत दो हिस्सों ऑयल और भलोडी में विभाजित कर दी गई। लेकिन रिकॉर्ड जल जाने के कारण वर्षों बाद भी दोनों पंचायतों के लोग जरूरी प्रमाण पत्रों के लिए भटक रहे हैं।

इसी समस्या को लेकर सोमवार को भलोडी पंचायत के उपप्रधान लेख राज ने एसडीएम चुराह को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि पंचायत में बच्चों और बुजुर्गों के जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे हैं, जिससे आधार कार्ड, स्कूल एडमिशन और कई सरकारी लाभों

एसडीएम चुराह ज्ञापन सौंपते लोग - समर न्यूज

में दिक्कत आ रही है। इसी प्रकार मृत्यु प्रमाण पत्र न मिलने से लोगों को बैंक, बीमा और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं में परेशानी उठानी पड़ रही है। लेख राज ने कहा कि पंचायत के लोग लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे हैं। यदि किसी को जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाना होता है तो उन्हें फार्म-10 भरने के बाद करीब 80 किलोमीटर दूर चंबा जाना पड़ता है, जो पहाड़ी क्षेत्र में समय और खर्च दोनों की दृष्टि से अत्यंत कठिन है। उन्होंने मांग की कि प्रशासन भलोडी पंचायत में विशेष शिविर आयोजित करे ताकि वहीं पर प्रमाण पत्र बनाए जा सकें और लोगों को राहत मिले। दूसरी ओर, स्थानीय ग्रामीणों ने भी बताया कि रिकॉर्ड न होने की वजह से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी बाधा आ रही है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि जल्द से जल्द इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए और पंचायत को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं।

भारत-दक्षिण अफ्रीका टी-20 मुकाबला, ठंड में दर्शकों ने गर्म चाय और कॉफी की चुस्कियों के साथ देखा मैच

35 हजार क्षमता वाले स्टेडियम में कड़ी सुरक्षा, तीन हजार पुलिसकर्मी रहे तैनात, मुख्यमंत्री मान भी पहुंचे

सारांश मेहरा | मोहाली
समर न्यूज़

न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादविंदर सिंह क्रिकेट स्टेडियम में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला का दूसरा मुकाबला वीरवार शाम 7:30 बजे खेला गया। मैच शुरू होने से पहले ही स्टेडियम में दर्शकों का पहुँचना शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में युवा क्रिकेट प्रेमी पंजाब के स्टार खिलाड़ियों अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह को देखने के उत्साह में मैदान में आए थे। हालांकि विराट कोहली टी-20 टीम का हिस्सा नहीं थे, फिर भी उनके कई फैंस केवल माहौल का आनंद लेने और टीम इंडिया का हौसला बढ़ाने स्टेडियम पहुँच गए थे। साउथ अफ्रीका की टीम भी निर्धारित समय से पहले स्टेडियम में पहुँचकर अभ्यास में जुट गई थी। चंडीगढ़ में कड़ाके की ठंड के बावजूद दर्शकों के उत्साह में कोई कमी नहीं देखी गई। ट्राइसिटी के युवाओं ने गर्म चाय और कॉफी की चुस्कियों के साथ स्टेडियम की ओर रुख किया था। कटक में पहला टी-20 जीतकर भारत ने उत्साहित मनोबल के साथ इस मैच में प्रवेश किया था और सीरीज में बढ़त मजबूत करने का लक्ष्य रखा था, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम बराबरी करने के इरादे से मैदान में उतरी थी।दर्शकों की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई थी। स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला ने बताया कि स्टेडियम की लगभग 35 हजार दर्शक क्षमता के मद्देनज़र प्रशासन ने करीब तीन हजार पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। सुरक्षा प्रबंधन की कमान एक डीआईजी और दो एआईजी अधिकारी ने संभाली जबकि लगभग 80 एसपी, डीएसपी और अन्य गैजेटेड अधिकारी भी ड्यूटी पर तैनात थे। रूपनगर रेंज के डीआईजी नानक सिंह और मोहाली के एसएसपी हरमनदीप सिंह हंस समूचे सुरक्षा प्रबंधन और ट्रैफिक व्यवस्था की निगरानी की। भीड़ को नियंत्रित करने और ट्रैफिक जाम से बचने के लिए जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने विशेष रूट मैप एडवाइजरी जारी की थी। दर्शकों से अनुरोध किया गया था कि वे अलग-अलग दिशाओं से निर्धारित मार्गों का पालन करते हुए स्टेडियम तक पहुँचें। मैच से पहले डीजीपी लॉ एंड ऑर्डर अर्पित शुक्ला और एसएसपी मोहाली ने स्टेडियम का दौरा कर सुरक्षा और आवागमन की व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। इस महत्वपूर्ण मुकाबले के दौरान विशेष आयोजन भी किए गए थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और 2011 विश्व कप के हीरो युवराज सिंह तथा 2025 महिला विश्व कप विजेता भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही महिला विश्व कप विजेता टीम की खिलाड़ी हरमनप्रीत कौर, अमनजोत कौर और हरलीन देओल को उनके कोचिंग स्टाफ सहित पंजाब सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी इस अवसर पर स्टेडियम पहुंचे।

टीबी पेशेंट को अडॉप्ट करवाने के लिए किया गया कार्यक्रम

समर न्यूज़ | पंचकूला

ब्रजेशा फाउंडेशन ढकोली द्वारा टीबी के 10 मरीजों को प्रधानमंत्री टी बी मुक्त भारत अभियान के तहत गोद लिया। डॉक्टर पूनम ने बताया कि मरीजों को पोषण किट्स देकर यह संदेश दिया गया कि टीबी मुक्त करने के लिए मरीजों को दवा के साथ साथ प्रोटीन युक्त भोजन करना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा जो व्यक्ति प्रधानमंत्री मंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत मरीज को गोद लेना चाहता है, जिला टीबी अधिकारी से सेक्टर 6 पंचकूला में संपर्क कर सकता है या निश्चय पोर्टल पर कम्युनिस्ट स्पोर्ट पर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। इस अवसर पर सतीश कुमार एसटीएस और वीरेन्द्र शर्मा डीपीपीएम तथा ब्रजेशा फाउंडेशन रवि राजन प्रधान और डॉ आरएम राज उप प्रधान और दीपक कुमार सहित अन्य सभी सदस्य मौजूद रहे।

कोर्ट के खौफ से निगम की कब्ज़े हटाने की मुहिम सुस्त

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज़

फेज 7 की मार्किट में किये अवैध कब्जे। - समर न्यूज़

मार्केट वेलफ़ेयर एसोसिएशन फ़ेज़ 7 के प्रधान सरबजीत सिंह ने कहा कि नगर निगम द्वारा कोर्ट की कार्रवाई के खौफ से कब्ज़ों के ख़िलाफ़ चलाई जा रही मुहिम बेअसर है। नगर निगम ख़ुद ही इस कार्रवाई के प्रति गंभीर नहीं है। फ़ेज़ 7 के बाज़ार में रेहड़ी-फ़ड़ी वालों द्वारा बड़ी संख्या में कब्ज़े किए गए हैं। इन रेहड़ी-फ़ड़ी वालों के कब्ज़ों के कारण बाज़ार की पार्किंग और अन्य खाली जगहों पर कब्ज़े के कारण लोगों को अपने वाहन खड़े करने के लिए जगह नहीं मिलती। इसके अलावा, शोरूमों के सामने वाली लोगों के चलने के लिए बनाई गई जगह (फुटपाथ) पर भी इन फ़ड़ी वालों के कब्ज़े हैं।

उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा दुकानदारों की सुनवाई न किए जाने के कारण दुकानदारों ने निगम के ख़िलाफ़ अदालत में याचिका भी दाखिल की थी, जो विचाराधीन है। इस अवसर पर उनके साथ मार्केट वेलफ़ेयर एसोसिएशन के बलबीर सिंह, विजेंदर सिंह, बलजीत सिंह, भूपिंदर सिंह, अंशुल, दीपक अग्रवाल, अमृतपाल सिंह, रमन और अन्य दुकानदार उपस्थित थे।

खुले में शराब पीने वाले 21 गिरफ्तार

डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता।

समर न्यूज़ | पंचकूला

पुलिस ने शहर के विभिन्न इलाकों में खुले में शराब पीने वाले अड्डों की पहचान कर वहां छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 21 लोगों को काबू कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने बताया कि खुले में शराब सेवन करने से राहगीरों, महिलाओं और बच्चों के लिए असुरक्षित वातावरण बनता है, जबकि छोटे-छोटे विवाद अक्सर बड़े झगड़ों और हिंसक घटनाओं का रूप ले लेते हैं। इससे असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ती हैं और सार्वजनिक स्थानों की छवि खराब होती है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

कार में दारू छोड़ भागे तस्कर 5 दिन बाद गिरफ्तार

65 पेटी अवैध शराब पहले ही बरामद, दोनों 1 दिन के रिमांड पर

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज़

धरा गया आरोपी पुलिस टीम के साथ। - समर न्यूज़

पंचकूला पुलिस ने 5 दिन पहले दो फरार शराब तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। ये दोनों आरोपी कुछ दिन पहले पुलिस की नाकाबंदी के दौरान कार छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए थे।

एसीपी क्राइम अरविंद कंबोज के अनुसार, 6 दिसंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि दो युवक चंडीगढ़ से एक कार में अवैध शराब भरकर पंचकूला से यमुनानगर की ओर जा रहे थे। मनदीप सिंह ने अपनी टीम के साथ रकबा गांव के पास नाकाबंदी की। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस को देखकर कार की लाइट बंद कर दी और वाहन को पीछे मोड़कर पास के पेट्रोल पंप पर रोककर भाग निकले। टीम ने कार को कब्जे में लेकर उसकी तलाशी ली, जिसमें से 65 पेटियां अवैध शराब की बरामद हुईं। पुलिस ने शराब और वाहन को कब्जे में लेकर आरोपियों की तलाश शुरू की।

डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन ने बताया कि पुलिस ने टीम ने 10 दिसंबर को रविंद्र कुमार निवासी जगाधरी, जिला यमुनानगर तथा सागर निवासी थानेसर, जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया।

अब तक की जांच में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपी यह अवैध शराब उत्तर प्रदेश के सहारनपुर क्षेत्र में बेचने वाले हैं। आरोपियों को आज अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

समर न्यूज़ ब्रीफ

फेज 8 में निगम ने दुकानदारों के चालान काटे

समर न्यूज़, मोहाली (परदीप सिंह हैप्पी): नगर निगम, फेज 8 की स्वच्छता टीम द्वारा शहर के विभिन्न बाज़ारों में एकल-उपयोग प्लास्टिक और थर्माकोल पर प्रतिबंध लगाने के लिए रेहड़ियों, दुकानों और खोखों की जाँच की गई और दुकानदारों को प्लास्टिक और थर्माकोल का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सुपरिंटेंडेंट सैनिटेशन दलजीत सिंह, एस.आई. हरदर्शनजीत सिंह और एस.आई. रजिंदर कुमार द्वारा दुकानदारों और रेहड़ी वालों के एकल-उपयोग प्लास्टिक और थर्माकोल के 12 चालान काटे गए और 8 किलोग्राम प्लास्टिक को ज़ब्त किया गया। इस अवसर पर सुपरवाइज़र अवतार सिंह, बलजिंदर सिंह, गुरिंदर सिंह, संदीप सिंह, वरिंदर सिंह, संजीव कुमार आदि उपस्थित थे।

अंजली आर्य की वाणी में गूंजी श्रीराम कथा

समर न्यूज़, मोहाली (परदीप सिंह हैप्पी): अग्रवाल सभा फेज 8 द्वारा आयोजित श्री राम कथा के तीसरे दिन के मुख्य यजमान सुभाष अग्रवाल और उनकी पत्नी मोनिका अग्रवाल, जयपाल अग्रवाल, प्रवेश जैन, बिट्टू जैन, पंकज चड्ढा, राकेश गुप्ता, हर गोपाल, प्रवीण जैन, राकेश जैन, पवन अग्रवाल ने व्यास पीठ का पूजन करके कथा का आरंभ करवाया। अग्रवाल सभा के प्रधान रवि गुप्ता ने बताया कि 12 दिसंबर तक चलने वाली श्री राम कथा के दौरान मशहूर कथावाचक अंजली आर्य द्वारा श्री राम के जीवन प्रसंग बताए जा रहे हैं और इस अवसर पर फ़ेज़ 8 और आस-पास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग हाज़िरी लगा रहे हैं। कथा के दौरान भारतीय जनता पार्टी के ज़िला प्रधान संजीव वशिष्ठ और पंजाब सह कोषाध्यक्ष सुखविंदर सिंह गोल्डी ने विशेष तौर पर हाज़िरी लगाई। कथा उपरांत भंडारे का इंतज़ाम किया गया।

पुलिस ने किए 10 स्कूल बसों के चालान

समर न्यूज़, पंचकूला। सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत आरटीए पंचकूला द्वारा चलाई जा रही मुहिम के दौरान आरटीए टीम ने स्कूल बसों की जांच की। 10 स्कूल बसों के चालान किए गए, जिनमें से 3 बसों को इंपाउंड भी किया गया है। आरटीए पंचकूला के सहायक सचिव शम्मी शर्मा ने बताया कि मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर ब्रिजेश, ट्रांसपोर्ट इंस्पेक्टर सुभाष, मोहित लाकड़ा, रविंद्र और ट्रांसपोर्ट सब-इंस्पेक्टर संदीप की टीम द्वारा बसों की चैकिंग की गई।

रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा मुकाबला आयोजित

समर न्यूज़, मोहाली (परदीप सिंह हैप्पी): सरकारी हाई स्कूल बलौंगी में ब्लॉक स्तरीय रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा मुकाबले का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा आत्मरक्षा से जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम को सुचारु ढंग से चलाने में गुरविंदर कौर, परमजीत कौर, नवदीप सिंह, लक्ष्मी देवी और पूरे स्टाफ का सहयोग रहा।

एमपीएसीए ने नए पदाधिकारी नियुक्त किए

समर न्यूज़, मोहाली (परदीप सिंह हैप्पी): मोहाली प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। संस्था के प्रधान हरजिंदर सिंह धवन और जनरल सेक्रेटरी डीपी सिंह आहलूवालिया ने बताया कि नए नियुक्त पदाधिकारियों में जगमोहन सिंह बराड़ को उप-प्रधान, तरसेम सिंह, गौरव भारती और मनु साहनी को सह-प्रधान, मनीष कुमार को सेक्रेटरी, संदीप सेठी को पीआरओ, शिखराज सिंह को संगठन सचिव, दीपिन मंडल को प्रेस सेक्रेटरी और गगनदीप सिंह को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है।

बाबू लाल सिंह की भूख हड़ताल समाप्त करवाई

समर न्यूज़, मोहाली (परदीप सिंह हैप्पी): पिछले आठ दिनों से गुरुद्वारा अंब साहिब के पास भूख हड़ताल पर बैठे बाबू लाल सिंह की भूख हड़ताल डीएसपी सिटी 2 हरसिमरन सिंह बल और फ़ेज़ 8 में चल रहे एसीबीसी मोर्चे के अगुआ बलविंदर सिंह कुंभा द्वारा जूस पिलाकर समाप्त करवाई गई।

नए सेक्टरों में धार्मिक स्थलों के लिए जगह की कमी: बेदी

चीफ सेक्रेटरी को लिख तत्काल कार्रवाई की मांग की

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज़

नगर निगम में डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह बेदी ने पंजाब के मुख्य सचिव व गमाडा चेयरमैन को पत्र लिखा है।

इसमें मोहाली के नए डेवलप हुए सेक्टरों में धार्मिक जगहों के लिए तुरंत जगह देने की मांग की गई है। बेदी ने बताया कि एरो सिटी, आईटी सिटी, सेक्टर 85, 86, 87, 88, 89 और आसपास के इलाकों में

डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह बेदी।

हजारों नए लोग बस गए हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि गामडा ने इन इलाकों में धार्मिक स्थलों के लिए एक इंच भी ज़मीन नहीं दी है।

उन्होंने कहा कि इलाकावासी काफी समय से गमाडा को लिखित में दे चुके हैं। लेकिन अभी तक न तो फाइल आगे बढ़ी। उन्होंने अधिकारियों से भी बात की पर कोई बात सिरे नहीं चढ़ी। इसलिए अब उन्हें मजबूरन यह लेटर लिखना पड़ रहा है। डिप्टी मेयर ने कहा कि पुराने मोहाली में हर फेज और सेक्टर में गुरुद्वारा साहिब, मंदिर और दूसरे धार्मिक स्थान हैं, लेकिन नए सेक्टरों में इसे पूरी तरह से इग्नोर

पीआर दिलाने के नाम पर 31 लाख की ठगी

जीरकपुर के तीन आरोपियों पर केस दर्ज, एएफयू को जांच

ललित शर्मा | जीरकपुर
समर न्यूज़

जीरकपुर में कनाडा में स्थायी निवास (पीआर) दिलाने के नाम पर 31 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस संबंध में पंचकूला थाना सेक्टर–5 पुलिस ने पवन नेहरू, उनकी पत्नी रेनू नेहरू और बेटे शुभम नेहरू—सभी निवासी शिवालिक विहार, जीरकपुर के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

पंचकूला का पुलिस स्टेशन। - समर न्यूज़

शिकायतकर्ता हरजीत सिंह, निवासी सेक्टर–2 पंचकूला, ने 4 नवंबर 2025 को दी शिकायत में आरोप लगाया कि तीनों ने खुद को विदेश मंत्रालय में पंजीकृत बताते हुए कनाडा की पीआर दिलाने का भरोसा दिया। आरोपियों ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेज़ दिखाकर उन्हें विश्वास में लिया और 27 जून 2025 को उनके घर पहुंचकर 31 लाख रुपये नकद ले लिए। हरजीत सिंह के अनुसार, बड़ी रकम लेने के बाद भी न तो कोई इमिग्रेशन प्रक्रिया शुरू की गई और न ही किसी दूतावास में कोई दस्तावेज जमा कराया गया। बाद में उन्हें पता चला कि दिखाए गए दस्तावेज भी जाली थे और पूरा लेन–देन धोखाधड़ी की नीयत से किया गया था। पुलिस जांच में आरोप prima facie सही पाए जाने पर धारा 316(2), 318(4), 61(2) भारतीय दंड संहिता (बीएनएस) और धारा 24 इमिग्रेशन एक्ट 1983 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामला आगे की जांच के लिए एएफयू (एंटी फ्रॉड यूनिट) पंचकूला को सौंप दिया गया है, जो आरोपियों की संपत्ति, बैंक खातों और लेन–देन की गहन जांच कर रही है।

विकास नगर बलटाना में पानी की सप्लाई फिर से बहाल

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज़

पंजाब जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड द्वारा नगर कौंसिल ज़ीरकपुर के अधीन आने वाले इलाके विकास नगर बलटाना में लगभग 21.75 लाख रुपये की लागत से सीवरेज लाइनें डालने का काम चल रहा था।

इस दौरान काम करते समय अचानक जल आपूर्ति की लाइनें टूट गईं, जिसके कारण इलाके में पानी की सप्लाई प्रभावित हो गई थी।

यह जानकारी देते हुए अतिरिक्त उपायुक्त (शहरी विकास) अनमोल सिंह धालीवाल ने बताया कि संबंधित विभाग द्वारा मरम्मत का काम पूरा करके मुख्य लाइन चालू कर दी गई, जिससे अब पूरे इलाके में पानी की सप्लाई बहाल कर दी गई है।

विज्ञान उत्सव

IISF में छात्रों ने सीखा नवाचार, तकनीक और वैज्ञानिक सोच से ही आत्मनिर्भर भारत का निर्माण

पंचकूला में आयोजित 11वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में किया सहभाग

समर न्यूज़ | पंचकूला

राजकीय महाविद्यालय कालका के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा के नेतृत्व में पंचकूला में आयोजित 11वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) में सक्रिय सहभागिता की।

इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का विषय "विज्ञान से समृद्धिः आत्मनिर्भर भारत के लिए" रखा गया, जिसका उद्देश्य विज्ञान-आधारित विकास को प्रोत्साहित करते हुए देश को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना था। महोत्सव में विद्यार्थियों को वैज्ञानिक शोध, नवाचार और आधुनिक तकनीक की प्रगति को समझने का अवसर मिला, वहीं प्राध्यापकों ने भी विभिन्न परिचर्चाओं और प्रदर्शनी सत्रों में भाग लेकर अपने ज्ञान का विस्तार किया।

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के दौरान - समर न्यूज़

इस व्यापक विज्ञान महोत्सव में प्रदर्शनियों, बी2बी बैठकों, कार्यशालाओं, विशेषज्ञ व्याख्यानों और वैज्ञानिक उपलब्धियों के उत्सव जैसे अनेक कार्यक्रम शामिल थे। यहां पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय पर विशेष जोर दिया गया, जिससे यह संदेश दिया जा सके कि भारत की वैज्ञानिक विरासत किस प्रकार आज की आधुनिक वैज्ञानिक उपलब्धियों को मजबूती प्रदान करती है। कार्यक्रम में भारत की जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रगति पर भी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई, जो भारत को एक आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

"विज्ञान से समृद्धि" की अवधारणा इस विश्वास को मजबूत करती है कि सच्ची प्रगति तभी संभव है जब वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग सामाजिक कल्याण, आर्थिक विकास और सतत नवाचार के लिए किया जाए। विचारों को नवाचार में, खोजों को विकास में और विज्ञान को समाजोपयोगी तकनीकों में बदलकर ही देश आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त हो सकता है।

आईआईएसएफ 2025 का आयोजन पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नेतृत्व में किया गया, जबकि इसका समन्वय आईआईटीएम पुणे द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से किया गया। राजकीय महाविद्यालय कालका के शिक्षकों—डॉ. रामचंद्र, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. इंदु, डॉ. सरिता, असिस्टेंट प्रोफेसर सीमा शर्मा और डॉ. भूप सिंह—ने कार्यक्रम की रूपरेखा, प्रशिक्षण और विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महोत्सव में सहभागिता से विद्यार्थियों को विज्ञान की वास्तविक दुनिया, उसके अनुप्रयोगों और भविष्य की शोध संभावनाओं को समझने का अनूठा अनुभव प्राप्त हुआ, जिससे उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार क्षमता को नया आयाम मिला।

हिंदू उपासकों के लिए शाश्वत मोक्ष और अटूट आस्था का प्रतीक है महाकालेश्वर मंदिर

काल के देवता, उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में विराजमान महाकाल के दिव्य निवास की भव्यता अद्भुत है। यह मंदिर देश के प्रतिष्ठित बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है और मंदिर में स्थित महाशिव लिंगम को स्वयंभू (स्वयं से उत्पन्न) माना जाता है। यह सुंदर मंदिर समय के संकटों को झेलते हुए भी शिव भक्तों की आस्था का प्रतीक बना हुआ है। इसकी दीवारों से झलकती कलात्मक उत्कृष्टता और भगवान महाकाल की विशाल प्रतिमा, जिनके दर्शन अपने आप में एक वरदान हैं, आपको तृप्त नहीं कर पाएंगी। हर भोर में लाखों शिवभक्त प्रसिद्ध भस्म आरती में शामिल होते हैं। चमत्कारों और अनसुलझे रहस्यों की कहानियों से लेकर अनेकों लोगों की अटूट आस्था तक, महाकालेश्वर का शिखर अनेक दिव्य घटनाओं का साक्षी है।

महाकालेश्वर मंदिर के इतिहास के अनुसार, प्रजापति ब्रह्मा ने स्वयं इस स्थल पर पहला मंदिर स्थापित किया था। उज्जैन में प्राप्त सिक्कों पर भगवान शिव के चिह्न अंकित हैं। कई काव्य ग्रंथों के अनुसार, परमार काल में आक्रमणकारियों ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया था। बाद में उदयादित्य और नरवर्मन ने इसका पुनर्निर्माण कराया।

प्राचीन ग्रंथ स्थलपुराण के अनुसार, राजा चंद्रसेन शिव के भक्त थे। श्रीखर नाम के एक बालक ने उनकी शिव-प्रार्थना सुनी और उनके साथ शामिल होना चाहा। हालांकि, लोगों ने उसे ऐसा करने नहीं दिया और उसे नगर से बाहर निकाल दिया। श्रीखर ने अपने प्रतिद्वंद्वी राजाओं रिपुधमन और सिंहादित्य की राक्षसराज दूषण की मदद से नगर पर आक्रमण करने की योजना के बारे में भी सुना। इसके अलावा, दूषण को ब्रह्मा से अदृश्य होने का वरदान प्राप्त था। इसलिए, श्रीखर और वृद्धि नामक एक पुजारी ने भगवान शिव से मदद की प्रार्थना की। शत्रु अवंतिका (उज्जैन) पहुंचे और लोगों पर अत्याचार करने लगे। उन्होंने नगर में सभी वैदिक धर्मानुष्ठान गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया।

भक्तों का यह भी मानना है कि जब दूषण ने अवंतिका पर आक्रमण करना शुरू किया, तो पार्वती की मूर्ति के पास ज़मीन फट गई और भगवान शिव उसमें से महाकाल के रूप में प्रकट हुए। उन्होंने एक ही घुरघुराहट से राक्षसों को भस्म कर दिया। अवंतिकावासियों के अनुरोध पर, भगवान शिव ने अवंतिका के प्रमुख देवता के रूप में वहीं रहने का निर्णय लिया।

इतिहासः विदेशी आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया था मंदिर

महाकालेश्वर की प्राचीन दीवारें विदेशी आक्रमणकारियों के हाथों हुए कई आक्रमणों और विनाश की साक्षी हैं। 13वीं शताब्दी के आरंभ में, गुलाम वंश के तीसरे शासक इल्तुतमिश ने उज्जैन पर आक्रमण करते समय मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। ऐसा कहा जाता है कि आक्रमणकारी ने पवित्र ज्योतिर्लिंग को पूरी तरह से खंडित कर दिया था और उसे पास के एक तालाब (जिसे बाद में कोटि तीर्थ कुंड के नाम से जाना गया) में फेंक दिया था।

18वीं शताब्दी के चौथे और पांचवें दशक के दौरान मराठा सेनापति रानोजी शिंदे के शासनकाल में इस मंदिर का पुनरुद्धार हुआ। राणोजी के दीवान ने अपनी संपत्ति का उपयोग मराठा शैली की वास्तुकला में मंदिर की वर्तमान संरचना के निर्माण के लिए किया। कुछ दशकों तक मंदिर का प्रबंधन मराठा प्रशासन द्वारा किया गया, जिसके बाद देव स्थान नामक एक ट्रस्ट ने इसकी ज़िम्मेदारी संभाली। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, उज्जैन के कलेक्टर कार्यालय ने मंदिर प्रशासक के रूप में देव स्थान ट्रस्ट का स्थान ले लिया।

महाकालेश्वर शिव भक्तों और हिंदू उपासकों के लिए शाश्वत मोक्ष और अटूट आस्था का प्रतीक है। यह मंदिर 18 महाशक्तिपीठों में से एक है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी सती (शिव की पहली पत्नी) ने शिव से अपने विवाह पर अपने पिता की आपत्ति के विरुद्ध विद्रोह करते हुए अपने प्राण त्याग दिए थे। उनकी मृत्यु के सम्मान में, भगवान विष्णु ने उनके शरीर के कई टुकड़े कर दिए जो पृथ्वी पर गिरने पर मंदिरों में बदल गए। इन मंदिरों को शक्तिपीठ कहा गया और ऐसा माना जाता है कि उनका ऊपरी होंठ महाकालेश्वर में गिरा था।

ऐसा माना जाता है कि जो कोई भी इस मंदिर में पूजा करता है और सच्चे मन से कुछ मांगता है, उसकी मनोकामना हमेशा पूरी होती है। अपनी दिव्य आभा और आध्यात्मिक आनंद के कारण, यह मंदिर साल भर लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। महाकाल की अनंत प्रकृति का आनंद लेने के लिए हर साल डेढ़ लाख से ज्यादा साधु मंदिर आते हैं।

महाकालेश्वर के अनुष्ठान और समारोह

महाकालेश्वर मंदिर की महिमा में कई धार्मिक अनुष्ठान और अनुष्ठान शामिल हैं। सबसे बड़ा अनुष्ठान भस्म आरती है, जो मंदिर परिसर में प्रतिदिन होती है और हर सुबह सूर्योदय से पहले भक्तों की भारी भीड़ को आकर्षित करती है। इस पवित्र अनुष्ठान के दौरान, पुजारी पड़ोसी नदी शिप्रा के घाटों से एकत्रित राख को ज्योतिर्लिंग पर लगाते हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि महाकालेश्वर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एकमात्र ऐसा लिंग है जहाँ ऐसा अनुष्ठान होता है। यह विशिष्टता भस्म आरती का हिस्सा बनने को और भी विशेष और शुभ बनाती है। भीड़ इतनी ज्यादा होती है कि भक्तों को आरती के लिए एक दिन पहले ही टिकट बुक करवाना पड़ता है।

आध्यात्मिकता की रोज़मर्रा की खुराक के अलावा, महाकालेश्वर में कई अन्य उत्सव भी हैं जिनका आप आनंद ले सकते हैं। इनमें नित्य यात्रा और सवारी शामिल हैं। नित्य यात्रा में भक्त शिप्रा नदी में पवित्र स्नान करते हैं और फिर महाकालेश्वर और नागचंद्रेश्वर की मूर्तियों के दर्शन करते हैं। इस अनुष्ठान का उद्देश्य महाकाल से दीर्घायु और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त करना है। सवारी भगवान शिव की एक भव्य शोभायात्रा है जो हर सोमवार को उज्जैन की सड़कों से होकर गुजरती है। यह इसलिए निकाली जाती है ताकि आम लोग शिव के दर्शन कर सकें और भगवान उज्जैन से सभी बुराइयों को दूर कर सकें। भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की सवारी देश भर से लाखों लोगों को आकर्षित करती है।

मान्यताः भगवान शिव खुद आते हैं भस्म आरती में

महाकालेश्वर मंदिर कई रहस्यमयी कहानियों और घटनाओं का केंद्र है। कुछ लोगों के अनुसार, भस्म आरती के दौरान स्वयं भगवान शिव मंदिर में प्रकट हुए थे। यह एक वीडियो में कैद हो गया जो इंटरनेट पर वायरल हो गया। हालाँकि, कुछ लोगों ने इसे महज़ एक भ्रम माना। स्थानीय लोगों का तो यह भी दावा है कि परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रात में शिवलिंग की पूजा करते हुए एक अजीबोगरीब आकृति दिखाई दी। शिवभक्तों का मानना है कि यह कोई अलौकिक आत्मा हो सकती है जिसने भगवान शिव के मंदिर में मोक्ष प्राप्त किया हो क्योंकि वे मनुष्यों और आत्माओं, दोनों को आशीर्वाद देने के लिए जाने जाते हैं।

महाकालेश्वर के बारे में एक और कहानी प्रसिद्ध है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी चुनाव हार गईं, तो उन्होंने मंदिर का दौरा किया। श्रीमती गांधी ने अगला चुनाव जीतने के लिए मंदिर में एक विशेष प्रार्थना करने का अनुरोध किया। चूँकि महिलाओं को गर्भगृह के अंदर जाने की अनुमति नहीं है, इसलिए उन्होंने एक घंटे तक बाहर प्रतीक्षा की। भक्तों का दावा है कि भगवान शिव के आशीर्वाद के कारण ही वे अगली बार चुनाव जीत गईं। दिग्विजय सिंह और उमा भारती जैसे कई अन्य राजनेताओं ने भी महाकालेश्वर का दौरा किया और बाद में चुनाव जीते।

वास्तुशिल्प महत्व

महाकालेश्वर, मराठा, चालुक्य और भूमिजा वास्तुकला शैलियों का एक सुंदर मिश्रण है। मराठों की मंदिर वास्तुकला मध्ययुगीन-पश्चिमी चालुक्य शैली और भूमिजा शैली का पुनर्जागरण थी, जिसमें बहुमंजिला संरचनाएँ और जटिल नक्काशी शामिल हैं। विशाल दीवारों द्वारा समर्थित पाँच मंजिला मंदिर भवन अपनी भव्यता से आपको विस्मित कर देगा।

मंदिर परिसर के पास एक बड़ा तालाब है जिसे कोटि तीर्थ कुंड कहा जाता है। इन विशाल दीवारों पर आपको भगवान शिव की स्तुति में पवित्र मंत्र, भजन और गीत भी अंकित मिलेंगे। जैसे ही आप भूतल पर स्थित गर्भगृह की ओर बढ़ेंगे, आपको महाकाल मंदिर के ऊपर ओंकारेश्वर शिव की दिव्य मूर्ति दिखाई देगी। गर्भगृह की छत पर रहस्यमयी चाँदी की प्लेटें सजी हैं। गर्भगृह के उत्तर, पश्चिम और पूर्व में देवी पार्वती, भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय की सुंदर नक्काशीदार मूर्तियाँ हैं।

दक्षिण दिशा की ओर मुड़ें तो आपको शिव के वाहन नंदी की प्रतिमा मिलेगी, जो एक पूजनीय बैल का बछड़ा है। तीसरी मंजिल पर नागचंद्रेश्वर (सांपों के राजा जो शिव के गले में माला की तरह सुशोभित हैं) की पवित्र मूर्ति है, जो केवल नागपंचमी पर, यानी नागों की पूजा के पर्व पर, दर्शन के लिए खुली रहती है।

सर्दियों में बिगड़ता है पाचन, जानिए जरूरी टिप्स

सर्दियों के मौसम में स्वादिष्ट और गरिष्ठ भोजन का चलन बढ़ जाता है गर्म पराठे, देसी घी के लड्डू, हलवा, शादियों की दावतें और तरह-तरह की मिठाइयाँ हर किसी की थाली में नजर आती हैं। लेकिन यही लुभावने व्यंजन अक्सर अपच और पेट संबंधी समस्याओं की जड़ बन जाते हैं। आम धारणा यह है कि ठंड में शरीर ज्यादा ऊर्जा मांगता है, इसलिए जो चाहे खाया जा सकता है, पर ऐसा तभी सुरक्षित है जब पाचनतंत्र मजबूत हो। ठंड के मौसम में शरीर का मेटाबोलिज्म स्वाभाविक रूप से धीमा हो जाता है, जिससे भोजन को पचाने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। सर्दी में प्यास कम लगती है और लोग सामान्य दिनों की तुलना में पानी बहुत कम पीते हैं, जो अपच और कब्ज का प्रमुख कारण बन जाता है। इसी मौसम में लोग भारी, गर्म और तला-भुना भोजन अधिक लेते हैं, जिससे पाचन और बाधित होता है। कुछ मामलों में सर्दियों में होने वाला 'सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर' भी पाचन पर असर डालता है। जरूरत से ज्यादा गर्म पानी पीना भी पेट को नुकसान पहुंचा सकता है। चाय-कॉफी की जगह यदि कभी-कभी गर्म पानी लिया जाए तो ठीक है, लेकिन लगातार ऐसा न करें। बेहतर है कि सामान्य गुनगुने पानी का सेवन किया जाए। बुजुर्गों में यह समस्या और अधिक गंभीर हो सकती है क्योंकि उम्र के साथ आंतों की मांसपेशियाँ कमजोर हो जाती हैं, दांतों की समस्या के कारण फाइबरयुक्त भोजन चबाना मुश्किल हो जाता है और डायबिटीज या नर्व संबंधी बीमारियाँ आंतों की कार्यक्षमता को और प्रभावित करती हैं। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों को हल्का, सुपाच्य भोजन लेने, सक्रिय रहने और समय पर भोजन करने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार रात का खाना सोने से ढाई घंटे पहले खा लेना चाहिए ताकि ब्लोटिंग और गैस की समस्या से बचा जा सके। भोजन को धीरे-धीरे चबाकर खाना, चाय-कॉफी और शराब के अधिक सेवन से बचना तथा नियमित व्यायाम पाचन को बेहतर बनाते हैं। दिनभर में कम से कम दो लीटर पानी अवश्य पीना चाहिए। आंतों की सेहत के लिए छाछ, दही, किमची जैसे प्रोबायोटिक खाद्य पदार्थ उपयोगी हैं, जबकि गाजर, चुकंदर, संतरा, शलजम जैसे मौसमी फल-सब्जियाँ पाचन सुधारने में मददगार हैं। घी का सीमित प्रयोग भी सर्दी में फायदेमंद माना जाता है, लेकिन अधिक गरिष्ठ भोजन से बचना ही स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम है।

बीएफआई की 9वीं एलीट नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप प्रदूषण के कारण हुई रीशेड्यूल

नई दिल्ली। 9वीं एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को उत्तर भारत में प्रदूषण के नियमों की वजह से रीशेड्यूल करना पड़ा है। पहले ये चैंपियनशिप 31 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में होनी थी, लेकिन अब इसे अगले साल 4-10 जनवरी के बीच आयोजित किया जाएगा। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि सरकार की ओर से अनिवार्य किए गए और 31 दिसंबर 2025 तक लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए चैंपियनशिप अब 4-10 जनवरी 2026 के बीच उसी वेन्यू पर होगी। चैंपियनशिप को लेकर शेष सभी इंतजाम वैसे ही रहेंगे। इसे लेकर सभी ताजा अपडेट शेयर किए जाएंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है जब बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को एक साथ होस्ट करने जा रहा है। इस चैंपियनशिप में भारत के टॉप सीनियर मुक्केबाज एक ही छत के नीचे आएंगे। इसमें 10-10 भार वर्ग में मुकाबले खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप में सर्विसेज डिफेंडिंग मेंस नेशनल चैंपियंस के तौर पर एंट्री करेगी, जबकि रेलवे की विमेंस टीम चैंपियनशिप का टाइटल बरकरार रखना चाहेगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने प्रेस रिलीज में कहा, "देशभर की यूनिट्स पुरुषों और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में मुकाबला करेंगी, जो वर्ल्ड बॉक्सिंग टेक्निकल और कॉम्पिटिशन रूल्स का पूरी तरह से पालन करेंगी। प्रत्येक यूनिट को हर कैटेगरी में एक बॉक्सर उतारने की इजाजत है। इसमें किसी रिजर्व की अनुमति नहीं है। योग्य मुक्केबाज का जन्म 1 जनवरी 1985 और 31 दिसंबर 2006 के बीच होना अनिवार्य है।

वेलिंगटन टेस्टः न्यूज़ीलैंड ने पहली पारी में वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई

वेलिंगटन। न्यूज़ीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट वेलिंगटन में खेला जा रहा है। दूसरे दिन न्यूज़ीलैंड की पहली पारी 278 रन पर समाप्त हुई। पहली पारी के आधार पर कीवी टीम ने वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई है। न्यूज़ीलैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 24 रन से की थी। 36 के स्कोर पर उन्हें कप्तान टॉम लैथम के रूप में पहला झटका लगा। वह 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे ने 108 गेंद पर 8 चौकों की मदद से 60 और विकेटकीपर बल्लेबाज मिशेल हे ने 93 गेंद पर 1 छक्का और 9 चौकों की मदद से 61 रन बनाए। इन दोनों के अलावा केन विलियमसन ने 37, डेरिल मिचेल ने 25 रन बनाए। जकारी फॉल्क्स 23 रन बनाकर नाबाद रहे।

ब्लेयर टिकनर इंजरी की वजह से बल्लेबाजी करने नहीं आए। इस वजह से न्यूज़ीलैंड को अपनी पारी 9 विकेट पर 278 रन बनाकर घोषित करनी पड़ी।

वेस्टइंडीज के लिए एंडरसन फिलिप ने 3, केमार रोच ने 2 विकेट लिए। जायडन सिल्स, ओजे शिल्ड्स, जस्टिन ग्रिव्स और रोस्टन चेज को 1-1 विकेट मिला।

वेस्टइंडीज की पहली पारी 205 रन पर समाप्त हुई थी। शाई होप ने सर्वाधिक 47 और जॉन कैंपबेल ने 44 रन की पारी खेली थी। ब्रैंडन किंग ने 33 और रोस्टन चेज ने 29 रन बनाए थे। न्यूज़ीलैंड के लिए ब्लेयर टिकनर ने 4, माइकल रे ने 3, जैकब डफी और ग्लेन फिलिप्स ने 1-1 विकेट लिए थे।

रिपोर्ट लिखे जाने तक वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में 7 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 24 रन बना लिए थे।

विश्वनाथन आनंद : मद्रास का शेर, जिसने भारतीय शतरंज में क्रांति ला दी

नई दिल्ली। शतरंज की दुनिया में भारत का नाम रोशन करने वाले विश्वनाथन आनंद को 'मद्रास का शेर' कहा जाता है। वो शख्स, जिसने भारतीय शतरंज में क्रांति ला दी। वैश्विक स्तर पर अमिट छाप छोड़ने वाले विश्वनाथन आनंद ने अपनी प्रतिभा और लगन के साथ दुनिया के चुनिंदा लोगों के बीच अपना वर्चस्व कायम किया है। 11 दिसंबर 1969 को तमिलनाडु के मयिलादुथुराई (तत्कालीन मद्रास) में जन्मे आनंद को बचपन से ही शतरंज में रुचि थी। विश्वनाथन आनंद बेहद तेज दिमाग के बच्चे थे। मां सुशीला ने बेटे की प्रतिभा को पहचान लिया था। ऐसे में उन्हें शतरंज से परिचित कराया। महज 6 साल की उम्र में ही विश्वनाथन आनंद खुद से बड़े बच्चों को इस खेल में मात देने लगे थे। विश्वनाथन आनंद के पिता को इस बीच फिलीपींस में जॉब का ऑफर मिला। माता-पिता के साथ महज 8 साल के विश्वनाथन आनंद मनीला पहुंच गए, जहां उन्होंने इस खेल के गुर सीखे। ये वो दौर था, जब इस खेल में रूस और यूरोप के खिलाड़ियों का दबदबा था। महज 14 साल की उम्र में ही विश्वनाथन आनंद सब-जूनियर शतरंज चैंपियनशिप अपने नाम कर चुके थे। 15 साल की उम्र में उन्होंने सबसे कम उम्र के अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनने का गौरव हासिल कर लिया था। यही वजह रही कि उन्हें 'लाइटनिंग किड' का उपनाम मिला। साल 1985 में विश्वनाथन आनंद को 'अर्जुन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। साल 1988 में विश्वनाथन आनंद देश के पहले ग्रैंडमास्टर बन गए। यह पूरे देश के लिए गौरव की बात थी। विश्वनाथन आनंद की इस उपलब्धि ने देश के लाखों युवाओं को शतरंज से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इसी साल उन्हें 'पद्मश्री अवॉर्ड' से भी सम्मानित किया गया। साल 1995 में विश्वनाथन आनंद ने गैरी कास्पारोव के खिलाफ अपना पहला विश्व शतरंज चैंपियनशिप मैच खेला। न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल में खेले गए इस मैच में भले ही आनंद जीत दर्ज नहीं कर सके, लेकिन विश्व में अपनी पहचान बना ली थी।

साल 1997, 1998, 2003, 2004 और 2008 में आनंद ने शतरंज ऑस्कर जीते। साल 2000 में आनंद ने तेहरान में आयोजित फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीती। इसके बाद 2007, 2008, 2010 और 2012 में आनंद ने इस खेल में अपनी बादशाहत कायम रखी और वह 21 महीनों तक वर्ल्ड नंबर-1 रहे।

विश्वनाथन आनंद ने अपनी कड़ी मेहनत, विनम्रता, निरंतरता और समर्पण के साथ मिसाल पेश की है। उन्होंने प्रज्ञानंद और गुकेश जैसी नई पीढ़ी को प्रेरित किया है, जिन्होंने आनंद के बाद इस खेल में देश का नाम रोशन किया।

चांदी पसंद नहीं, मेरा लक्ष्य सोना : रवि दहिया

नई दिल्ली । रवि कुमार दहिया भारतीय कुश्ती का ऐसा नाम है जिनसे भविष्य में देश को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद है। रवि दहिया के नाम से मशहूर इस पहलवान का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के नहरी में 12 दिसंबर 1997 को हुआ था। हरियाणा को भारतीय कुश्ती का केंद्र माना जाता है। रवि को अपने प्रदेश के साथ ही कुश्ती का प्रभाव अपने घर में भी देखने को मिला। रवि के पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनकी मां ऊर्मिला देवी और चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने अथक परिश्रम से सफल और समृद्ध बनाया है। रवि ने महज 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर आते थे। यह प्रक्रिया तब तक जारी थी। रवि के एक बड़े पहलवान के रूप में लोकप्रिय होने तक यह प्रक्रिया जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है।

सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी। सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त जैसे पहलवानों ने सतपाल सिंह से ही प्रशिक्षण लिया था और आगे चलकर ओलंपिक पदक विजेता बने। ओलंपिक पदक विजेताओं में रवि दहिया का नाम भी शामिल है। रवि को सबसे पहले बड़ी पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप के बादशाह हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते थे।

दहिया के जीवन का सबसे बड़ा क्षण टोक्यो ओलंपिक था। 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीत वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का लोहा मनवाया।

लुधियाना के बस स्टैंड पर बेकाबू बस ने 7 लोगों को रौंदा, एक की मौत

लोगों के बीच मची भगदड़, बस चालक मौके से फरार

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

लुधियाना के बस स्टैंड में पास गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। नंगल की ओर से आ रही एक प्राइवेट बस अचानक से बेकाबू हो गई। बस स्टैंड का पुल उतरते ही बस ने भीड़भाड़ वाले इलाके में पहुंचते ही सबसे पहले एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दूर जाकर सड़क पर गिर पड़े और उनकी बाइक के परखच्चे उड़ गए। इसके बाद बस रुकने की बजाय आगे बढ़ती रही और कुछ ही दूरी पर खड़े एक ई-रिक्शा से जा टकराते हुए फुटपाथ पर चढ़ गई, जिसके चलते ई रिक्शा चालक व फुटपाथ पर मौजूद लोग बस की चपेट में आ गये। जिसके बाद वहां पर भगदड़ मच गई। देखते ही देखते लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई और घायलो को नजदीकी अस्पताल में पुहंचाया गया। हादसे में इक की मौत हो गई और कुल 7 लोग घायल हुए हैं, जिन में शिमलापुरी निवासी संतोष रानी (48) और उनकी बेटी महक (22), संगरूर के गुरमुख सिंह व उनकी मैडम मनजीत कौर, हंबड़ा निवासी दर्शन सिंह, जीरा के मेवा सिंह और ई-रिक्शा ड्राइवर राजिंदर ठाकुर शामिल हैं। इनमें मनजीत कौर की दाईं पांव की हड्डी टूट गई है, जबकि कई घायलों के सिर, हाथ और पैरों में गहरी चोटें आई हैं। सभी घायलों को बाद में सिविल अस्पताल ले जाया गया। विनोद पासवान ने सिविल हस्पताल में दम तोड़ दिया।

बस स्टैंड में घटना स्थल पर पुलिस मौके पर कार्रवाई करते हुए। (फोटो लक्की भट्टी)- समर न्यूज़

अस्पताल में उपचाराधीन घायल महिला मनजीत कौर, महक, गुरमुख, संतोष रानी और मेवा सिंह (फोटो लक्की भट्टी) - समर न्यूज़

हादसे के समय मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने बताया कि बस काफी तेज रफ्तार में थी और देखते ही देखते कई लोगों को अपनी चपेट में लेती चली गई। बाइक को टक्कर मारने के बाद बस ई-रिक्शा पर चढ़ गई, जिससे उसके पास खड़े लोग नीचे दब गए। उन्होंने कहा कि फुटपाथ से टकराकर जैसे ही बस रुकी, उसका ड्राइवर जसवंत सिंह मौके से बस छोड़कर फरार हो गया।
घायल मेवा सिंह ने बताया कि बस काफी दूर से ही तेज रफ्तार में लोगों को टक्कर मारती चली आ रही थी। "मैं जीरा से एनओसी लेने आया था। अचानक देखा कि बस सीधे हमारी ओर बढ़ती आ रही है। कुछ समझ पाते, इससे पहले ही हम टक्कर से गिर पड़े," जब तक वह कुछ समझ पाता वह भी हादसे का शिकार हो चुका था।
वही ई-रिक्शा चालक राजिंदर ठाकुर टक्कर लगते ही बेसुध हो गए। वह बस से टक्कर के बाद बस के नीचे जा घुसा, जिसे पुलिसकर्मी ने लोगों की सहायता से बाहर निकाल अस्पताल पुहंचाया।
मौके पर पहुंचे थाना डिवीजन 5 के जांच अधिकारी एएसआई मेवा सिंह के अनुसार शुरुआती जांच में ब्रेक फेल होने की बात सामने आई है, लेकिन ड्राइवर के फरार होने से चलते कारण साफ नहीं हो सके हैं। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है और फरार ड्राइवर जसवंत सिंह की तलाश तेज कर दी है।

पुराने बाजार होंगे आधुनिक और आकर्षक

सुरक्षा, पार्किंग और लाइटिंग जैसी सुविधाएं मिलेंगी

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

लुधियाना के पुराने बाजारों की तस्वीर अब जल्द ही बदलती दिखेगी। शहर के डिप्टी सीनियर मेयर राकेश पराशर ने जानकारी दी कि केंद्र सरकार की एक विशेष स्कीम के तहत शहर के ऐतिहासिक व भीड़-भाड़ वाले बाजारों को 150 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक और आकर्षक बनाया जाएगा। लंबे समय से मेंटेनेंस और सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे इन बाजारों में यह प्रोजेक्ट व्यापारियों और आम लोगों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। पराशर ने बताया कि इस बड़े प्रोजेक्ट के तहत घंटा घर, चौड़ा बाजार, क्रीम पूरा, मीणा बाज़ार, किताब बाज़ार, नौलखा रोड, मिर्जा घर सहित कई पुराने और महत्वपूर्ण बाजारों का संपूर्ण अपग्रेडेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगर निगम में हुई बैठक में एडिशनल कमिश्नर, तहबाजारी विभाग के अधिकारी विपिन हांडा और विभिन्न बाजार एसोसिएशनों के प्रधान मौजूद रहे, जहां पूरे प्लान पर विस्तृत चर्चा की गई।

मार्केट में घूमते लोग - समर न्यूज़

प्रोजेक्ट में बाजारों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत बाजारों में ब्यूटीफिकेशन लाइट्स, सीसीटीवी कैमरे, पार्किंग की व्यवस्थित व्यवस्था, तथा बिजली पोल, ट्रांसफार्मर व तारों की सुरक्षित रीलाइनिंग की जाएगी। नगर निगम की टीम का मानना है कि इन सुधारों से न सिर्फ भीड़-भाड़ वाले बाजारों में सुरक्षा स्तर बढ़ेगा, बल्कि लोगों के लिए खरीदारी अनुभव भी आसान और आरामदायक होगा।
डिप्टी मेयर ने बताया कि प्रोजेक्ट की फाइल अंतिम चरण में है। अप्रूवल मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी और उसके बाद काम तेज़ी से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट लुधियाना के पुराने बाजारों को नई पहचान देगा और शहर के व्यापारिक माहौल में बड़ा बदलाव लाएगा। स्थानीय व्यापारियों ने भी इस प्रोजेक्ट को लेकर उम्मीद जताई है कि इससे व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी और शहर में आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं।

दुकानदार सड़क पर उतरे, निगम की कार्रवाई के आश्वासन पर खत्म हुआ धरना

आई लव चौड़ा बाजार बोर्ड लगने के बाद भी रेहड़ी वालों का कब्जा

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

चौड़ा बाजार स्थित पिंक प्लाजा मार्केट के बाहर अवैध कब्ज़ों को लेकर दुकानदार और रेहड़ी फड़ी वालों के बीच एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है।
दो महीने पहले हुए बड़े विवाद के बाद नगर निगम ने यहां से रेहड़ी फड़ी हटवाकर आई लव चौड़ा बाजार का बड़ा इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड लगवाया था। हालांकि, कुछ समय बाद रेहड़ी फड़ी वालों ने दोबारा कब्जा जमा लिया, जिसके विरोध में पिंक प्लाजा मार्केट के दुकानदार सड़क पर उतर आए और धरने पर बैठ गए।
धरने के कारण आसपास के क्षेत्र में भारी ट्रैफिक जाम लग गया। थाना कोतवाली पुलिस ने दुकानदारों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे रेहड़ियां हटाए बिना धरना समाप्त करने को तैयार नहीं थे।
दुकानदारों का आरोप है कि नगर निगम के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से बार-बार अवैध कब्जा होता है।
उनका कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर दुकानें बनाई गई हैं, लेकिन बाहर बैठी अवैध रेहड़ियों के कारण उनके व्यवसाय को नुकसान होता है और बाजार में ट्रैफ़िक जाम की स्थिति बनी रहती है।
पिंक प्लाजा मार्केट के प्रधान रूबल ढिल्लों और उपप्रधान जसकरण सिंह गढ़ ने बताया कि पहले भी रेहड़ी फड़ी वाले मार्केट के सामने अवैध तौर पर कब्जा कर लेते थे। विवाद के बाद निगम ने न केवल कब्जा हटाया था बल्कि बाजार की खूबसूरती बढ़ा ने के लिए इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड भी लगाया था। इसके बावजूद समय के साथ दोबारा अवैध टेबल, रेहड़ियां और फड़ी लगनी शुरू हो गईं। शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई न होने पर
दुकानदारों का कहना है कि रेहड़ी फड़ी वाले बीच सड़क में कब्जा कर बैठ जाते हैं और ट्रैफ़िक जाम लग जाता है। राहगीरों के टोकने पर विवाद की स्थिति भी बन जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक रेहड़ियां पूरी तरह नहीं हटाई जाएंगी, धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। नगर निगम अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दुकानदारों को कार्रवाई का भरोसा दिलाया, जिसके बाद धरना समाप्त किया गया। दुकानदारों ने तहबाजारी विभाग के इंस्पेक्टर विपिन हांडा की तारीफ की और बताया कि वे समय-समय पर कार्रवाई करते रहे हैं, लेकिन शाम होते ही उनका चार्ज वापस ले लिया गया। दुकानदारों ने मांग की है कि विपिन हांडा को ही तहबाजारी विभाग में फिर से ड्यूटी पर लगाया जाए।

रोष जताते हुए दुकानदार। - समर न्यूज़

पंजाब एनजीओ एक्सपो का डीसी ने किया शुभारंभ

समर न्यूज़ | लुधियाना

सामाजिक विकास को नई दिशा देने की पहल करते हुए डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने गुरुवार को एनजीओ सिटीनीड्स द्वारा प्रशासन के सहयोग से आयोजित पंजाब एनजीओ एक्सपो-2026 का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिले की 80 से अधिक प्रमुख एनजीओ, उद्योग संगठनों, क्लबों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
डीसी ने घोषणा की कि यह राज्य स्तरीय कार्यक्रम 31 जनवरी और 1 फरवरी, 2026 को पीएयू मैदान में आयोजित किया जाएगा। यह पंजाब का पहला ऐसा मंच होगा, जहां एनजीओ, सीएसआर संस्थाएं, शैक्षणिक संस्थान और सरकारी विभाग एक ही मंच पर एकजुट होंगे।
डीसी हिमांशु जैन ने एनजीओ द्वारा जमीनी स्तर पर निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, मानवीय सेवाओं और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अभियानों में एनजीओ हमेशा प्रशासन के विश्वसनीय साझेदार रहे हैं। एक्सपो में स्टॉल आवंटन के लिए सहायक आयुक्त जसदेव सिंह सेखों और डीडीएफ अंबर बंदोपाध्याय की अगुवाई में पांच सदस्यीय समिति बनाई गई है। सेखों ने पंजाब की सभी एनजीओ से बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।
सिटीनीड्स द्वारा एक्सपो की प्रमुख झलकियां भी प्रस्तुत की गईं, जिनमें 60 से अधिक एनजीओ प्रदर्शनी स्टॉल, 10 से अधिक कॉरपोरेट सीएसआर स्टॉल, युवाओं को जोड़ने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के 10 से अधिक बूथ, सरकारी कल्याण योजनाओं के लिए 10 स्टॉल, विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चा और ज्ञान सत्र, एनजीओ-सीएसआर नेटवर्किंग मीटिंग तथा उत्कृष्ट सामाजिक योगदानों के लिए विशेष सम्मान शामिल हैं। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 10,000 से अधिक आगंतुकों के शामिल होने की संभावना है। सिटीनीड्स के संस्थापक मनीत दीवान ने एनजीओ को अपनी प्रभावशाली कहानियां और प्रदर्शनी सामग्री पहले से तैयार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह एक्सपो पंजाब के बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करने वाला सामूहिक मंच है और रजिस्ट्रेशन से लेकर प्रस्तुति तक सिटीनीड्स पूरी मदद करेगा।
डिप्टी कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन इस एक्सपो को राज्य का मॉडल आयोजन बनाने के लिए सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा।
उन्होंने कहा कि यह एक्सपो सिर्फ प्रदर्शन नहीं, बल्कि पंजाब के सिविल सोसायटी तंत्र को मजबूत करने और लंबे समय तक टिकने वाली साझेदारियां बनाने का जन-आंदोलन है। बैठक का समापन इंटरएक्टिव चर्चा के साथ हुआ, जिसमें सहभागी संगठनों ने स्टॉल, सहयोग, क्षमता निर्माण और वॉलंटियर इंटीग्रेशन से जुड़े अपने सुझाव साझा किए और कार्यक्रम के प्रति उत्साह जताया। एनजीओ अपनी भागीदारी के लिए वेबसाइट ngoexpo.cityneeds.info पर रजिस्टर और अधिक जानकारी के लिए 82890-66979 पर संपर्क करे कर सकते हैं।

डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन जानकारी देते हुए। - समर न्यूज़

तेज रफ्तार टिप्पर ने बाइक सवार को कुचला, मौत

शेखर वर्मा | लुधियाना
समर न्यूज़

थाना बस्ती जोधेवाल के इलाके नूरवाला रोड पर वीरवार की सुबह एक तेज रफ्तार टिप्पर ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में लेते हुए बुरी तरह से कुचल दिया। राहगीरों के अनुसार हादसे के बाद भी टिप्पर चालक ने स्पीड कम नहीं की, बल्कि बाइक सवार को अपने साथ घसीटता हुआ ले गया। हादसा इतना भयावह था कि युवक का चेहरा पूरी तरह पिचक गया और केवल एक कान ही दिखाई दे रहा था। स्थानीय लोगों ने भागने की कोशिश कर रहे टिप्पर चालक को पकड़ लिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और चालक को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। बाइक सवार के शव को सिविल अस्पताल की मोर्चरी में भेजा गया। पुलिस ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष है। उसकी जेब से राजू टी स्टॉल की कुछ पर्चियां तथा पास से क्रिकेट किट बरामद हुई है। फिलहाल मृतक की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों के बयान मिलने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

तलाक के बाद भी सुनील करता था परेशान

किरनदीप कौर का आरोप बेटी के सामने अश्लील फिल्में देखता था

दीपक कुमार | माछीवाड़ा साहिब
समर न्यूज़

गांव रतनगढ़ के नौजवान सुनील कुमार द्वारा खुदकुशी करने के मामला में नया मोड़ ले लिया है। पीड़ित परिवार ने जो लड़की पर आरोप लगाए उसका जवाब देने के लिए लड़की किरणदीप कौर ने अपना पक्ष रखते हुए हैरानीजनक खुलासे किए।
लड़की किरणदीप कौर ने बताया कि मैं एक पढ़ी लिखी लड़की हूं। मेरा पति सुनील कुमार कोई काम नहीं करता था और मेरी लड़की के पालन पोषण के लिए मुझे नौकरी भी करनी पड़ी। मेरा पति 6 बहनों का एक भाई था और सभी बहनें मेरे ससुर की मौत के बाद हिस्सा मांगती थी।
मेरा पति मुझे विदेश भेजने का दबाव डालता था जिसके लिए मुझे वो खुद तलाक लेने को कहता था और धमकियां देता था कि अगर तू तलाक नहीं देगी तो मैं खुदकुशी कर लूंगा। जिस कारण मैंने दबाव में आकर उससे करीब डेढ़ वर्ष पहले तलाक ले लिया था।
विदेश भेजने की लालसा के चलते उसने मेरी कॉन्ट्रैक्ट मैरिज भी खुद ही करवाई जब कि विदेश जाने के बाद कॉन्ट्रैक्ट मैरिज कारण वो लड़का अलग हो गया और मैं भी अलग रहने लगी थी परंतु सुनील मुझे बार बार फोन करके परेशान करता था कि मुझे विदेश से पैसे भेज।
जो मैं भेज नहीं सकती थी क्योंकि अभी करीब 4 महीने तो मुझे इंग्लैंड आए हुए हैं। उसने कहा के यह पहले भी इसी तरह घर से चला जाता था और अपनी बात मनाने के बाद ही घर आता था। इसका कहना था कि तू विदेश में जाकर मुझे सिर्फ पैसे भेज फिर तू चाहे किसी अंग्रेज के साथ रह कर वहां पर पक्की हो जा। मैं विदेश नहीं जाना चाहती थी परंतु सुनील के दबाव में आकर मुझे विदेश जाना पड़ा। अगर मुझ पर कैरेक्टर लेस होने का आरोप लगता है तो कोई साबित करे नहीं तो मेरे पास सभी प्रमाण हैं कि मुझे किस तरह परेशान किया जा रहा था लेकिन मैं फिर भी चुप रही।

सुनील मोबाइल पर गंदी फिल्में देखता था

किरणदीप ने बताया कि सुनील अक्सर ही मोबाइल पर गंदी फिल्में देखता था और एक दिन जब मेरी लड़की उसके पास जाकर बैठी तब भी वह मोबाइल पर फिल्म देख रहा था और मैंने फिर उसे रोका कि तू अपनी लड़की के सामने यह क्या देख रहा है और इसका हमारी लड़की पर क्या असर होगा।
मृतक की पत्नी किरनदीप कौर ने यह भी आरोप लगाया कि सुनील उसे बार बार दबाव डालता था कि जिस के साथ वो कॉन्ट्रैक्ट मैरिज करके इंग्लैंड आई है उसके साथ फिजिकल रिलेशन बना ले ताकि किसी तरह मुझे पैसे आ सके। इसी कारण मैंने उससे बात करनी बंद की थी क्योंकि वो मेरे साथ इस तरह की बातें करता था कि मैं बता नहीं सकती।

रॉन्ग साइड आ रही बाइक ने एक्टिवा को मारी टक्कर

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

जालंधर बाईपास के नजदीक चिड़ियाघर के बाहर देर शाम एक्टिवा और बाइक की भीषण टक्कर हो गई। जहां हादसे में एक्टिवा सवार व्यक्ति की मौत हो गई। बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल है। राहगीरों ने घायलों को नेशनल हाईवे एंबुलेंस की सहायता से सिविल अस्पताल पहुंचाया। मामले की सूचना थाना सलेम टाबरी की पुलिस को दी। अस्पताल में मृतक व्यक्ति की पहचान शिमलापुरी के इलाके मेट की चक्की,गली नंबर 10 निवासी 57 वर्षीय जसपाल सिंह के रूप में हुई। अस्पताल में मृतक के बेटे ने बताया कि उसका पिता घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था।

घायल युवक ज़ेर ए इलाज -समर न्यूज़

उसे किसी राहगीर ने फोन कर घटना की जानकारी दी, जहां मौके पर पहुंच लोगों ने उसे बताया कि उसके पिता चिड़ियाघर के पास पहुंचे थे तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि उसके पिता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं बाइक सवार तीनों युवक घायल हो गए। अस्पताल में घायल अवस्था मे पहुंचे तीनों युवकों की पहचान रमन, निखिल और जाहिद के रूप में हुई जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। अस्पताल में घायल रमन ने बताया कि वह तीनों फिल्लौर से आगे एक पेट्रोल पंप पर काम करते हैं। देर शाम काम खत्म कर वह शराब लेने के लिए निकले थे, जहां रास्ते में वह हादसे का शिकार हो गए। रमन के अनुसार उसे नहीं पता कि हादसा कैसे हुआ है। घटनास्थल पर हादसे के बाद इलाके में लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस चौकी एल्डिको की पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने मृतक के परिजनों और बाइक सवार युवकों के बयान दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य संवाद

वन हेल्थ दृष्टिकोण वैश्विक चुनौतियों से निपटने में अहम : उपकुलपति डॉ. गिल

वन हेल्थ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जीएडीवीएएसयू में हुआ शुरू

समर न्यूज़ | लुधियाना

गुरु अंगद देव वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी (जीएडीवीएएसयू), लुधियाना में वन हेल्थ को आगे बढ़ाना मानव, पशु और पर्यावरण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कार्य-आधारित दृष्टिकोण विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। यह आयोजन इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटनरी पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट्स के 21वें वार्षिक अधिवेशन के साथ आयोजित किया गया। भारत और विदेशों से आए 200 से अधिक प्रतिनिधियों वैज्ञानिक, डॉक्टर, शिक्षाविद, नीति-निर्माता और छात्रों ने सम्मेलन में भाग लिया।
आयोजन सचिव डॉ. जसबीर सिंह बेदी ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों का उत्साह वन हेल्थ अनुसंधान की प्रासंगिकता को दर्शाता है।
विश्वविद्यालय के उपकुलपति एवं एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. जतिंदर पाल सिंह गिल ने अपने उद्घाटन भाषण में मानव-पशु जनित रोगों, रोगाणुनाशक प्रतिरोध, जलवायु परिवर्तन तथा खाद्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटने में वन हेल्थ दृष्टिकोण की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सहयोग और ज्ञान-साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है।
दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्रिंसिपल प्रो. गुरप्रीत सिंह वांडर ने मानव और पशु स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों की समय पर पहचान और समाधान के लिए मेडिकल-वेटनरी सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।
बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के उपकुलपति प्रो. राजीव सूद ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए अंतर-क्षेत्रीय समन्वय, संयुक्त प्रशिक्षण और साझा डेटा प्रणाली को और प्रभावी बनाने की जरूरत उजागर की। सेवानिवृत्त सचिव, भारत सरकार डॉ. तरुण श्रीधर ने कहा कि राष्ट्रीय नीतियों में समन्वय और शासन तंत्र में वन हेल्थ अवधारणा का समावेश समय की मांग है। सम्मेलन में महासचिव डॉ. आर जे जेंडे ने एसोसिएशन की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए जनस्वास्थ्य सुदृढ़ करने की दिशा में किए गए कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान एम्स, बठिंडा और जीएडीवीएएसयू के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्य अतिथियों ने स्मारिका और शोध पत्र संकलन का भी विमोचन किया।

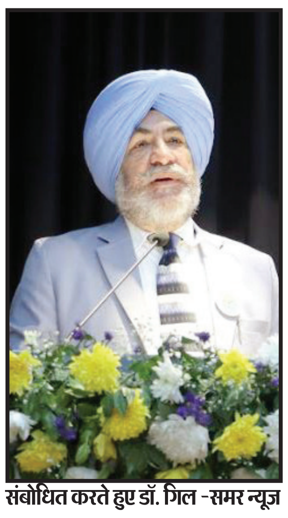

संबोधित करते हुए डॉ. गिल -समर न्यूज़